सीकर, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 9314505000
लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, शनिवार, 1 जुलाई 2023 | वर्ष : 13 | अंक : 307 | पृष्ठ : 8 | दैनिक प्रातःकालीन | मूल्य : 1 रूपया

राजस्थान को त्याग, तपस्या और बलिदान की भूमि

राहुल पीएम बने तो भ्रष्टाचार भारत की नियति बन जाएगी : शाह

उदयपुर, (निसं)। विधानसभा चुनाव अभियान को रफ्तार देने के लिए शुक्रवार को उदयपुर आए गृहमंत्री अमित शाह के एक बयान को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। उदयपुर की जनसभा में गृह मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार तो कन्हैयालाल के हत्यारों को पकड़ना भी नहीं चाहती थी, उन्हें एनआईए ने पकड़ा। इस बयान पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पलटवार करते हुए शाह पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा कि कन्हैयालाल के हत्यारे रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद को राजस्थान पुलिस ने 4 घंटे के अंदर पकड़ लिया था। घटना 28 जून की थी, जबकि एनआईए को इस मामले की जांच 2 जुलाई को सौंपी गई थी। गहलोत ने ट्वीट कर एनआईए को जांच सौंपने का ऑर्डर भी सार्वजनिक किया। गृह मंत्री अमित शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड पर भी गहलोत राजनीति कर रहे हैं। गहलोत हत्यारों को तो पकड़ना भी नहीं चाहते थे, एनआईए ने पकड़ा और गहलोत झूठ बोलते हैं कि कार्रवाई नहीं हुई। मैं डंके की चोट के साथ कहता हूं कि स्पेशल कोर्ट में सुनवाई की होती तो हत्यारे फांसी पर लटक चुके होते। यही नहीं, जयपुर ब्लास्ट के आरोपियों की सुनवाई के लिए गहलोत सरकार के एडवोकेट जनरल के पास समय नहीं है।

21 पार्टी के लोगों का लक्ष्य अपने बेटों का भविष्य बनाना : पटना में पिछले दिनों 21 पार्टी के लोग इकट्ठा हुए। 21 पार्टियों के नेताओं का लक्ष्य अपने बेटों का भविष्य है। सोनिया गांधी का लक्ष्य राहुल को प्रधानमंत्री बनाना, लालू यादव का लक्ष्य बेटे तेजस्वी को सीएम बनाना, ममता बनर्जी का लक्ष्य भतीजे अभिषेक को सीएम बनाना और अशोक गहलोत का लक्ष्य अपने बेटे वैभव को सीएम बनाना है। गहलोत बिना मतलब इस उम्र में इधर-उधर घूम रहे हैं, सभा का वीडियो कोई दिखाए तो पता चल जाएगा कि सरकार के जाने का समय आ गया है।

राहुल पीएम बने तो भ्रष्टाचार भारत की नियति बन जाएगी : 21 पार्टी मिलकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। यदि राहुल पीएम बने तो भ्रष्टाचार, घपले, घोटाले भारत की नियति बन जाएगी और यदि मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनते हैं तो भ्रष्टाचारी जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे।

आदिवासियों के लिए भाजपा ने ही मंत्रालय बनाया : 10 साल यूपीए सरकार चली। आदिवासी बच्चों को पढ़ाने के लिए सिर्फ 90 स्कूल थे। भाजपा ने 500 से ज्यादा स्कूल बना दिए। जनजाति मंत्रालय का बजट पहले एक हजार करोड़ था, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे बढ़ाकर 15 हजार करोड़ कर दिया। अटल बिहारी वाजपेयी ने ही जनजाति मंत्रालय बनाया और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत ने आदिवासियों का आरक्षण बढ़ाया।

कोई मोदी के पैर छू रहा, कोई ऑटोग्राफ ले रहा : प्रधानमंत्री जी-7 समिट में गए तो कोई उनके ऑटोग्राफ लेने में लगा था, कोई उनके पैर छू रहा था। विश्व में मिल रहा यह सम्मान मोदी या भाजपा का नहीं, मेवाड़, राजस्थान और देश के लोगों का सम्मान है।

संस्कृत स्कूलों में लगाए जाएंगे कंप्यूटर अनुदेशक : कर्मचारियों के लिए भी निर्णय

जयपुर ग्रामीण होगा नया जिला, स्कूलों में पढ़ाया जाएगा संविधान

चमकता राजस्थान, जयपुर।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में शुक्रवार रात हुई कैबिनेट बैठक में कई फैसले लिए गए हैं। जयपुर ग्रामीण नया जिला बनाया जाएगा। बैठक में नए जिलों की सीमाओं को लेकर उठे विवाद को सुलझाने के लिए फॉर्मूला तय किया गया। कर्मचारियों को अब पहले 6 महीने में ही इंक्रीमेंट देने का फैसला किया गया।

सरकार ने मंत्रालयिक और क्लर्क जॉब वाली भर्तियों में राजस्थान के जनरल नॉलेज से जुड़े सवालों को वैटेज देने का निर्णय किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गुरुवार को दाएं पैर में नुकीली चीज चुभने के बाद उनका बैलेंस बिगड़ गया था और बायां पैर मुड़ गया था। इस वजह से दाएं पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था और बाएं पैर में हेयर लाइन फ्रैक्चर हो गया था। शुक्रवार को सीएम ने घर पर कैबिनेट बैठक बुलाई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गुरुवार को दाएं पैर में नुकीली चीज चुभने के बाद उनका बैलेंस बिगड़ गया था और बायां पैर मुड़ गया था। इस वजह से दाएं पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था और बाएं पैर में हेयर लाइन फ्रैक्चर हो गया था। शुक्रवार को सीएम ने घर पर कैबिनेट बैठक बुलाई।

बैठक में जिलों के सीमांकन और नए जिलों में शामिल होने वाले क्षेत्रों को लेकर चर्चा की गई है। नए जिलों के गठन का नोटिफिकेशन जारी होने में अभी समय लगेगा। बैठक में तय किया गया है कि जिन नए जिलों की सीमा तय करने का विवाद है वहां लोगों की भावना के हिसाब से फैसला लिया जाएगा।

सीएम ने विवाद दूर होने के बाद ही नोटिफिकेशन जारी करने को कहा है। दूदू जिले में शामिल करने को लेकर चाकसू, सांभर, फुलेरा, जोबनेर क्षेत्र के लोग विरोध कर रहे हैं इस विरोध को देखते हुए अब दूदू को छोटा जिला रखकर बाकी क्षेत्रों को जयपुर ग्रामीण जिला बनाकर उसमें शामिल किया जाएगा।

जयपुर शहर के लोग भी जयपुर के दो भाग जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण करने का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों जयपुर के विधायकों की सीएम अशोक गहलोत के साथ हुई बैठक में सुझाव दिया गया था कि जयपुर के दो नगर निगमों में आने वाले वार्डों को जयपुर में रहने दिया जाए।

अब नए जिलों के नोटिफिकेशन 30 जून के बाद भी कर सकेंगे

जनगणना के कारण नए जिले, उपखंड से लेकर सब तरह की प्रशासनिक यूनिट बनाने पर अब 1 जुलाई से रोक नहीं लगेगी। जनगणना के लिए प्रशासनिक यूनिट सील करने की समय सीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। इस सीमा के बढ़ने से अब 30 जून के बाद भी नए जिलों का नोटिफिकेशन हो सकेगा। पहले जनगणना के लिए प्रशासनिक यूनिट को सील करने की समय सीमा 1 जुलाई थी, इसलिए 30 जून तक नए जिलों के नोटिफिकेशन करना जरूरी था। अब यह बाध्यता नहीं रही है।

क्लर्क ग्रेड वाली भर्ती परीक्षाओं में राजस्थान की ज्ञय के सवाल ज्यादा आएंगे

सरकार ने मंत्रालयिक और क्लर्क जॉब वाली भर्तियों की परीक्षाओं में राजस्थान के जनरल नॉलेज से जुड़े सवालों को वैटेज देने का फैसला किया है।क्लर्क, पीए ग्रेड सेकंड के सिलेबस में राजस्थान जीके के ज्यादा सवाल आएंगे। इससे राजस्थान के युवाओं को यहां की नौकरियों में ज्यादा फायदा होगा। राजस्थान का जीके ज्यादा आने से बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों की जगह राजस्थान के युवाओं को ज्यादा फायदा होगा।

कर्मचारियों को अब छह महीने में पहला इंक्रीमेंट

कर्मचारियों की सैलरी इंक्रीमेंट साल में 1 जनवरी और 1 जुलाई दो बार होगी। इससे कर्मचारियों को छह महीने में पहला इंक्रीमेंट मिल सकेगा। अब तक साल में इंक्रीमेंट की एक ही तारीख से गणना होती थी। कैबिनेट ने इसके लिए राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम 2017 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे कर्मचारी के प्रमोशन या एसीपी लगने पर पदोन्नति पद के पे-लेवल में समान सेल होने पर अगली सेल में वेतन तय हो सकेगा।

स्कूलों में पढ़ाया जाएगा संविधान

कैबिनेट ने प्रदेश के सभी स्कूलों में संविधान की उद्देशिका और मौलिक कर्तव्यों को पढ़ाने का फैसला किया है। हर शनिवार को स्कूलों में नो बैग डे के दिन संविधान की प्रस्तावना का वाचन होगा। नई छपने वाली किताबों में भी संविधान की उद्देशिका और मौलिक कर्तव्यों को प्रकाशित किया जाएगा।

राजस्थान आईएलडी स्किल्स यूनिवर्सिटी का नाम अब 'दी विश्वकर्मा स्किल्स यूनिवर्सिटी'

कैबिनेट ने दी राजस्थान आईएलडी स्किल्स यूनिवर्सिटी, जयपुर (चेंज ऑफ नेम एंड अमेंडमेंट) बिल 2023' के प्रारूप को मंजूरी देते हुए राजस्थान आईएलडी स्किल्स यूनिवर्सिटी का नाम 'दी विश्वकर्मा स्किल्स यूनिवर्सिटी' करने का फैसला किया है। इससे कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के गठन और नए प्रावधानों के लिए ऑर्डिनेंस लाने की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। विधानसभा में इसके लिए बिल लाया जाएगा।

संस्कृत स्कूलों में होगी कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था

अब प्रदेश के संस्कृत स्कूलों में भी स्टूडेंट्स को कंप्यूटर की शिक्षा मिल सकेगी। संस्कृत स्कूलों में कंप्यूटर अनुदेशक लगाए जाएंगे।

इसके लिए शिक्षा विभाग में राजस्थान संस्कृत शिक्षा राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (विद्यालय शाखा) नियम, 2015 में वरिष्ठ कंप्यूटर अनुदेशक और बेसिक कंप्यूटर अनुदेशक के पदों को शामिल करने का प्रावधान किया है।

सेवा नियमों में उद्योग विभाग का नाम अब उद्योग और वाणिज्य विभाग होगा

कैबिनेट ने ने राजस्थान उद्योग सेवा नियम-1960, राजस्थान उद्योग अधीनस्थ सेवा नियम-1966 और राजस्थान राज्य अधीनस्थ सेवाएं (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम-1999 में परिशिष्ट 'च' में संशोधन को मंजूरी दी है। सेवा नियमों में उद्योग विभाग का नाम अब उद्योग एवं वाणिज्य विभाग करने का फैसला किया है। इससे विभाग के अधिकारियों का पदनाम भी संशोधित हो जाएगा।

महिला कर्मचारी तबादले के बाद भी साधारण किराया देकर मैटरनिटी लीव तक सरकारी मकान में रह सकेंगी

महिला कर्मचारी अब तबादला होने के बाद भी मैटरनिटी लीव पूरी होने तक साधारण किराया देकर सरकारी मकान में रह सकेंगी। तबादला होने के बाद अब तक यह प्रावधान नहीं था। कैबिनेट ने इसके लिए राजस्थान सिविल सर्विसेज (अलॉटमेंट ऑफ रेजिडेंशियल एकोमोडेशन) रूल्स, 1958 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।उक्त संशोधन से महिला राजकीय कर्मचारी जिसको राजकीय आवास आवंटित किया जा चुका है, वह उस आवास को मातृत्व अवकाश की समाप्ति तक सामान्य किराए पर रख सकेगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय को दुनिया में शीर्ष पर ले जाने में जुटें छात्र तथा शिक्षक : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के शताब्दी समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा कि एक समय था जब छात्र किसी संस्थान में एडमिशन से पहले प्लेसमेंट को प्राथमिकता देते थे। एडमिशन का मतलब डिग्री और डिग्री का मतलब नौकरी होता था। शिक्षा यहीं तक सीमित थी। उन्होंने कहा, आज युवा जिंदगी को इसमें बांधना नहीं चाहता है। वह कुछ नया करना चाहता है। अपनी लकीर खुद खींचना चाहता है। 2014 से पहले भारत में सिर्फ कुछ सौ स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या एक लाख को पार कर गई है। कुछ दिन पहले अमेरिका की यात्रा पर गया। आपने देखा होगा कि भारत का सम्मान और गौरव कितना बढ़ा है, क्योंकि भारत की क्षमता और भारत के युवाओं पर विश्व का भरोसा बढ़ा है।

पीएम अचानक मेट्रो से डीयू पहुंचे : पीएम अचानक मेट्रो से सफर कर ष्ठ पहुंचे। वे सुबह 11 बजे लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन गए। यहां उन्होंने टिकट काउंटर से टोकन लिया और उसके बाद वे प्लेटफॉर्म पहुंचे। मेट्रो में यात्रियों के साथ बातचीत भी की। दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 1 मई 1922 को हुई थी। इसमें 86 विभाग, 90 कॉलेज, 6 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी का इतिहास खास है। यह सिर्फ एक यूनिवर्सिटी नहीं, बल्कि एक मूवमेंट है। इस यूनिवर्सिटी ने अपने लंबे इतिहास में हर आंदोलन को देखा और जिया है। आज डीयू में पढ़ने वाले लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या ज्यादा हो गई हैं। इसी तरह देश में भी जेंडर रेश्यो में सुधार आया है। शिक्षण संस्थान की जड़ें जितनी गहरी होती हैं, देश की शाखाएं उतनी ही ऊंचाइयों को छूती हैं। भविष्य के लिए भी यूनिवर्सिटी और देश के संकल्पों में एकरूपता होनी चाहिए। 100 साल पहले स्वतंत्रता लक्ष्य था। अब लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत का निर्माण है। पिछली शताब्दी के तीसरे दशक में स्वतंत्रता संग्राम को नई गति दी। इस शताब्दी का ये तीसरा दशक भारत की विकास यात्रा को नई रफ्तार देगा। आज देशभर में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय बनाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में IIT और IIM जैसी संस्थाओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। ये न्यू इंडिया के बिल्डिंग ब्लॉक हैं। शिक्षा सिर्फ सिखाने नहीं, सीखने की भी प्रक्रिया है। लंबे समय तक शिक्षा का फोकस इसी बात पर रहा कि छात्रों को क्या पढ़ाया जाना चाहिए। हमने शिक्षा का फोकस इस पर भी किया कि छात्र क्या सीखना चाहता है। आप सबके प्रयास से नई शिक्षा नीति तैयार हुई। छात्र अपनी इच्छा से अपनी पसंद के विषयों का चुनाव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि जब अगले 25 वर्षों में इस संस्थान की स्थापना के 125 वर्ष पूरे हों तो इसकी गिनती दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों में हो, इसके लिए सभी को प्रयास बढाना होगा। उन्होंने कहा कि आपके यहां भविष्य का निर्माण करने वाले नवाचार हों, दुनिया के श्रेष्ठ और लीडर्स आपके यहाँ से निकलें, इसके लिए आपको लगातार काम करना होगा। मोदी इस मौके पर विश्वविद्यालय में लगी प्रदर्शनी भी देखने गये और वहां मौजूद लोगों के साथ बातचीत भी की।

पिछले साल की तुलना में बांधों में अब तक 12.55 फीसदी अधिक पानी आया

चमकता राजस्थान, जयपुर,। बिपरजॉय तूफान से झमाझम और बाद में मानसून के आने के साथ ही पूरे प्रदेश में जमकर मेघ बरसने से बांधों में पिछले साल की तुलना में अब तक अधिक पानी दर्ज हुआ है। दरअसल, पिछले वर्ष 29 जून, 2022 को 690 बांधों में 4782.23 एम.क्यूएम पानी भरा हुआ था, जबकि इस बार 6360.40 एम.क्यूएम पानी दर्ज हुआ है। यदि इस आंकड़े को प्रतिशत में देखें तो पिछले वर्ष 29 जून को 38.01 प्रतिशत पानी बांधों में भरा हुआ था, जबकि इस साल 29 जून को 50.56 प्रतिशत पानी भरा हुआ है, जो पिछले साल की तुलना में करीब 12.55 प्रतिशत अधिक है।

690 बांधों में 6360.40 एम.क्यूएम पानी : राज्य के छोटे-बड़े 690 बांधों की कुल भराव क्षमता 12580.03 एम.क्यूएम है, उसकी तुलना में गुरुवार को 63360.40 एम.क्यूएम बांधों में पानी दर्ज किया गया।

सबसे अधिक कोटा संभाग के बांधों में पानी : कोटा के 82 बांधों में 74.80 प्रतिशत पानी भरा हुआ है। जबकि पिछले साल आज के ही दिन कोटा संभाग के बांधों में 68.81 प्रतिशत भरा हुआ था। जबकि सबसे कम पानी उदयपुर संभाग के बांधों में दर्ज किया गया है। उदयपुर संभाग के 181 बांधों में 33.04 प्रतिशत पानी दर्ज हुआ है, जबकि पिछले साल 19.90 प्रतिशत पानी दर्ज किया गया था।

रामगढ़ बांध में पानी नहीं : रामगढ़ बांध में इस साल भी अभी तक पानी की आवक नहीं हुई है। बांध के भराव क्षेत्र में जगह-जगह अतिक्रमण होने से पानी करीब ढाई दशक से बांध में पानी नहीं आया है।

295 बांध खाली, 318 बांध आंशिक रूप से भरे हुए : प्रदेश के 690 छोटे-बड़े बांधों में से 295 बांध बिल्कुल खाली है, जबकि 318 बांध आंशिक रूप से भरे हुए हैं। 72 बांध पूर्ण रुप से भरे हुए हैं और पांच बांधों की सूचना जल संसाधन विभाग को मिलती नहीं हैं।

नगर निगम हेरिटेज : मेयर वर्सेज एडिशनल कमिश्नर

मेरी कुर्सी पर बैठकर निगम चलाने की बात करने वाले वर्मा, बंधक कैसे?; वे बेखौफ.. भ्रष्ट अफसर : मुनेश

चमकता राजस्थान, जयपुर। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। एडिशनल कमिश्नर राजेन्द्र वर्मा के एफआईआर दर्ज कराने के बाद मेयर मुनेश गुर्जर और कांग्रेस पार्षदों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। शुक्रवार को नगर निगम हेरिटेज में कांग्रेसी पार्षदों के साथ एक बैठक के बाद मेयर मुनेश ने कहा कि राजेन्द्र वर्मा ने सोची समझी साजिश के तहत चुनिंदा पार्षदों को टारगेट किया है। इसलिए मैं चाहती हूं कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो। ताकि वर्मा के घोटालों की पोल खुले और उनकी असलियत का सभी को पता चल सके। मेयर ने कहा कि मैंने वर्मा के भ्रष्टाचार की जानकारी स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल तक पंहुचा दी है। जिसके बाद उन्होंने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। मुझे उम्मीद है कि जांच में नगर निगम में हुए भ्रष्टाचार के कारणों का पता चलेगा। इसके साथ ही दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही स्वायत्त शासन मंत्री इस मामले की जानकारी मुख्यमंत्री तक भी पहुंचाएंगे। जहां से हमें निष्पक्ष न्याय की पूरी उम्मीद है।

चुनिंदा पार्षदों के खिलाफ शिकायत दी : मेयर मुनेश गुर्जर ने कहा कि जब राजेन्द्र वर्मा के खिलाफ 51 पार्षदों ने पत्र लिखा तो उस वक्त भी सभी पार्षद उनसे बात कर रहे थे। लेकिन, उन्होंने सबके खिलाफ नहीं बल्कि सिर्फ चुनिंदा पार्षदों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। ुझे लगता है कि हम लोग जनता की आवाज उठा रहे थे, इसलिए उन्हें अखर रहे थे।

राजेन्द्र वर्मा बेखौफ, वे तो निगम चलाने की बात करते हैं- मेयर : वैसे भी जिन वीडियो के आधार पर हमारे खिलाफ शिकायत की गई है। उनमें साफ दिख रहा है कि राजेन्द्र वर्मा बेखौफ हम सबके बीच बैठ हंस रहे हैं। वे हमारा वॉशरूम यूज कर रहे थे और मंत्री जी से बात कर रहे थे। इतना ही नहीं वे मेरी सीट पर बैठ कर नगर निगम को चलाने की बात कह रहे थे। वैसे भी जो महापौर की कुर्सी पर बैठ सकता है वह बंधक नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि राजेन्द्र वर्मा के आने के बाद नगर निगम की व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है, मानसून दस्तक दे चुका है। लेकिन, अब तक नाला सफाई जैसा काम भी पूरा नहीं हुआ है। वर्मा धरातल पर काम ही नहीं करना चाहते थे।

बल्कि, वह सिर्फ कुर्सी पर बैठकर फाइलों को रोक भ्रष्टाचार करना चाहते हैं। इसलिए हमें उनके खिलाफ लड़ाई लड़नी पड़ रही है। क्योंकि जनता ने हमें चुन कर भेजा है। ताकि हम जनता की समस्याओं का समाधान कर सकें।

बीजेपी दे रही मामले को तूल : वहीं बीजेपी के आरोपों पर भी मेयर मुनेश ने बात की। उन्होंने कहा कि नगर निगम ग्रेटर में हुआ विवाद हेरिटेज विवाद से पूरी तरह अलग है।

हमारी कोई पर्सनल लड़ाई नहीं बल्कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं। बीजेपी के नेता बेवजह इस मामले को तूल देने की कोशिश कर रहे हैं।

संपादकीय

प्रतिनिधित्व की प्रतीक्षा में अति पिछड़े समूह

स्वतंत्रता के बाद यह संभावना व्यक्त की जाने लगी थी कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित होने से जाति जैसी सामाजिक संरचना समाप्त हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, बल्कि जाति और राजनीति, दोनों ही पूरक के तौर पर काम करने लगे। भारत में सामाजिक व्यवस्था का संगठन ही जाति के आधार पर है। राजनीति तो केवल सामाजिक संबंधों की अभिव्यक्ति मात्र है, इसलिए सामाजिक व्यवस्था राजनीति का स्वरूप निर्धारित करती है। इसका व्यापक असर मंडल आयोग के बाद होने वाली चुनावी राजनीति में देखने को मिलता है। इसी के संदर्भ में जयप्रकाश नारायण ने कहा था, 'भारत में जाति सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक दल है।'पिछले चार दशकों में जाति की राजनीति ने भारतीय राजनीति को एक नया आकार प्रदान किया है। एक ओर ओबीसी आरक्षण लागू होने के बाद पिछड़ा प्रतिनिधित्व सरकारी कार्यालयों से विश्वविद्यालय तक हुआ, तो दूसरी ओर राजनीति में प्रतिनिधित्व की लड़ाई भी और तेज हुई है। ओबीसी एक विशिष्ट वर्ग के रूप में उभरा है। इस समूह ने राष्ट्रीय राजनीति को एक नई दिशा प्रदान की, लेकिन संख्या के आधार पर सबसे बड़ा वर्ग होने और शक्तिशाली समूह होने के बावजूद राजनीति में ओबीसी मुद्दे नदारद रहते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कोई एकमत ओबीसी समूह नहीं बन पाया है। सैकड़ों जातियों और दर्जनों जाति समूहों को मिलाकर ओबीसी का निर्माण हुआ है, मगर हर जाति के बीच के अंतर को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ओबीसी वर्ग के अंदर जुड़ाव और अलगाव की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। सामाजिक-शैक्षणिक, आर्थिक-राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर जातियां, जो संख्या के आधार पर कम और छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित हैं, वे उपेक्षित हैं। पिछड़ी जातियों के तहत कुछ जातियों के पास कृषि और अन्य व्यवसाय हैं और जो पारंपरिक रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में हैं। इस पर विचार होना चाहिए कि उनसे भी अधिक पिछड़ी जातियां कैसे मुकाबला कर पाएंगी? सर्वाधिक पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण का यथोचित लाभ पाना कठिन है। अधिकांश अति पिछड़ी जातियों के लोग विभिन्न कुटीर उद्योगों, दस्तकारी, बागवानी, मछली पकड़ने और मिट्टी के बर्तन बनाने आदि कार्यों से जुड़े हुए थे, पर 1990 में वैश्वीकरण के बाद मशीनीकरण से उनकी स्थिति खराब होती गई। इससे इन जातियों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक तथा राजनीतिक भविष्य पर आघात हुआ। चूंकि ये जातियां अपने कौशल से जीविका चलाती थीं इसलिए तकनीक के चलते उनकी आजीविका पर प्रहार हुआ। ये जातियां लगभग भूमिहीन हैं। वैश्वीकरण के बाद इनके पारंपरिक व्यवसाय या तो छिन गए या उनका आर्थिक आधार दरक गया। अति पिछड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व हर क्षेत्र में बाधित हो रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में अति पिछड़े समुदाय से ताल्लुक रखने वाले जननायक कर्पूरी ठाकुर ने 1978 में बिहार में अति पिछड़ी जातियों की दो अलग-अलग सूचियां बनाई और उनके लिए अलग-अलग आरक्षण का प्रतिशत तय करने का काम किया। कर्पूरी ठाकुर के सामाजिक न्याय के कारण ही बिहार में अति पिछड़ों का एक सशक्त नेतृत्व तैयार हो पाया। इस माडल का विस्तार नीतीश कुमार ने 2006 में पंचायत चुनाव में और 2007 में नगर निकाय चुनाव में अति पिछड़ी जातियों के लिए सीट आरक्षित करके और उनके कल्याण के लिए अति पिछड़ा आयोग का गठन करके किया। इससे बिहार में राजनीतिक स्तर पर अति पिछड़ी जातियों का एक सशक्त नेतृत्व तैयार हो पाया। सामाजिक न्याय का ऐसा ही माडल छेदी लाल साथी आयोग ने उत्तर प्रदेश की अति पिछड़ी जातियों का अध्ययन करके तैयार किया था। इस आयोग ने मई 1977 में अपनी रिपोर्ट पेशकर पिछड़े वर्गों की तीन श्रेणियां बनाकर कुल 29.5 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की थी। आयोग ने पहली श्रेणी में भूमिहीन और अकुशल मजदूरों को 17 प्रतिशत, दूसरी श्रेणी में दस्तकार और किसानों को 10 प्रतिशत आरक्षण तथा तीसरी श्रेणी में मुस्लिम पिछड़ी जातियों को 2.5 प्रतिशत आरक्षण देने का सुझाव दिया था, किंतु साथी आयोग की सिफारिशों को नहीं माना गया।विधानमंडलों एवं मंत्रिमंडलों में अति पिछड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व होना एक शर्त होनी चाहिए, लेकिन इन संस्थाओं में इन जातियों का प्रतिनिधित्व लगभग नगण्य है। मंडल आयोग के बाद भी ऐसी कई जातियों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिला। इन जातियों के नेता अपने प्रतिनिधित्व के लिए भाजपा के साथ जाने में कोई संकोच नहीं करते। सामाजिक न्याय की राजनीति करने वाले नेताओं ने यह समझने में गलती की है कि भिन्न-भिन्न जातियों की स्थिति अलग-अलग हो सकती है। यही कारण है कि अति पिछड़ी जातियां नए राजनीतिक प्रश्नों को जन्म दे रही हैं। यह जरूरी है कि अति पिछड़ी जातियों को समुचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जाए और उनके मुद्दों पर विचार किया जाए। सामाजिक न्याय की राजनीति करने वालों के लिए जरूरी हो जाता है कि ओबीसी के अंदर सामाजिक-शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर और जातीय रूप से छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित जातियों के लिए सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं, क्योंकि अधिकांश दलों की नजर बड़ी संख्या वाली जातियों पर है, जबकि भाजपा छोटी-छोटी संख्या वाली जातियों को जोड़ने में सफल हो जाती है और इसी कारण वह लगातार चुनाव जीत रही है। पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में भाजपा से मुकाबले के लिए सामाजिक न्याय, जातिगत जनगणना के साथ ही आरक्षण वर्गीकरण हेतु रोहिणी आयोग की रिपोर्ट प्रकाशित कराने और उसे लागू कराने पर विचार किया जाए।

वैश्विक बाजार में पहुंच बढ़ाता भारत

एसएंडपी ग्लोबल ने विनिर्माण क्रय प्रबंधन सूचकांक (पीएमआइ) के आधार पर भारत के विनिर्माण क्षेत्र की सकारात्मक तस्वीर पेश की है। यह रिपोर्ट इसलिए उल्लेखनीय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रतिकूलताएं तेजी से बढ़ रही हैं। हर देश महंगाई एवं ऋण के जाल से निकलने के लिए जूझ रहा है। इन विपरीत परिस्थितियों में भी पीएमआइ रिपोर्ट देश में उद्योगों के लिए अनुकूल आर्थिक माहौल की कहानी कह रही है। इससे पहले विश्व के अधिकांश अनुमानों को गलत साबित करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रत्याशित रूप से पिछले वित्तीय वर्ष में 7.2 प्रतिशत वृद्धि दर को हासिल किया। अधिकांश एजेंसियों ने 6 से 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने के ही अनुमान व्यक्त किए थे। पीएमआइ रिपोर्ट कंपनियों द्वारा दिए जाने वाले रोजगार, मिलने वाले आर्डर, उत्पादन, स्टाक, डिलिवरी आदि के आधार पर तैयार की जाती है। पीएमआइ के अनुसार भारत का सूचकांक मई में 31 महीनों के उच्चतम स्तर 58.7 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर पीएमआइ की तुलना अमेरिका से की जाए तो यह पिछले तीन वर्षों में अपने न्यूनतम स्तर पर है। चीन की भी लगभग यही स्थिति है। जबकि अक्टूबर 2020 के बाद से विनिर्माण क्षेत्र में भारत अपने उच्चतम स्तर पर है।पीएमआइ अधिक होने का तात्पर्य यह है कि भारत के उत्पादों की मांग घरेलू स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही है। पिछले छह महीनों में नए आर्डर मिलने के परिणामस्वरूप भारतीय निर्माताओं ने उत्पादन की मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बिक्री अर्थात निर्यात में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है। इससे न सिर्फ आर्थिक विकास को बल मिला है, बल्कि नौकरियों के अवसर भी बढ़े हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार रोजगार वृद्धि की दर अपने छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। डिजिटल परिवर्तन, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ-साथ उसकी रचनात्मकता को भी बढ़ावा दिया है। 2.73 करोड़ से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले इस क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के साथ-साथ निर्मित उत्पादों की श्रृंखला में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। औद्योगिक गलियारों के विकास द्वारा भी सरकार विनिर्माण क्षेत्र को विस्तारित कर राष्ट्र के समग्र विकास में इसकी हिस्सेदारी को बढ़ावा देने में प्रयत्नशील है। अमेरिका-भारत का तेजी से बढ़ता साझा बाजार निवेशकों के लिए एक बड़े आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र में विशेष रूप से

इन विपरीत परिस्थितियों में भी पीएमआइ रिपोर्ट देश में उद्योगों के लिए अनुकूल आर्थिक माहौल की कहानी कह रही है। इससे पहले विश्व के अधिकांश अनुमानों को गलत साबित करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रत्याशित रूप से पिछले वित्तीय वर्ष में 7.2 प्रतिशत वृद्धि दर को हासिल किया।

मोबाइल फोन, लक्जरी और आटोमोबाइल उद्यम आदि को भारत में स्थापित करने के प्रति विदेशी निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ा है। इंजीनियरिंग, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु आदि उद्यम देश के आर्थिक विकास के एक अभिन्न स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन के अनुसार भारत में 2025 तक लैपटाप और टैबलेट निर्माण क्षमता को 10 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। इस संभावना को भी बल मिलता है कि 2030 तक भारत एक लाख करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकता है।एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में निदेशक पोलीन्ना डी लीमा ने इस पर भी बल दिया है कि मांग आधारित मुद्रास्फीति स्वाभाविक रूप से नकारात्मक नहीं है, पर यह क्रय शक्ति को घटा सकती है, जिसके कारण ब्याज दरों में बढ़ोतरी हो सकती है। इसलिए विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने एवं इससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास करने होंगे। यह विश्लेषण करने की भी आवश्यकता है कि मेक इन इंडिया, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर बल, प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव, कर की दरों में कमी आदि अनुकूल उपायों के बावजूद यह क्षेत्र आनुपातिक वृद्धि क्यों नहीं कर पा रहा है?भारत में मांग एवं आपूर्ति पक्ष में संतुलन का न होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। भारत के विनिर्माण उद्योगों को अपने निर्यात को अधिक बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। प्रशिक्षित श्रमिकों पर विशेष ध्यान देने से भी उत्पादन की लागत को कम किया जा सकता है। इसके लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों को अधिक व्यावहारिक एवं कुशल बनाने के लिए एक मूल्यांकन समिति बनाई जाए। देश में केवल पांच प्रतिशत भारतीय युवा ही तकनीकी रूप से प्रशिक्षित हैं, जबकि दक्षिण कोरिया में यह आंकड़ा 85 प्रतिशत से अधिक है। दीर्घकालिक रोजगार की संभावनाएं और लाखों लोगों के लिए कौशल प्रशिक्षण आदि कारकों के द्वारा ही भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार पर अपनी पकड़ को मजबूत बना सकता है।भारत में विनिर्माण के विकास के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर बल देना होगा, जिससे निर्यात के विस्तार के साथ आंतरिक मांग और उत्पादन में तेजी से वृद्धि की जा सके। लाजिस्टिक क्षेत्र विशेषकर परिवहन क्षेत्र की अपर्याप्त सुविधाओं एवं उनकी गुणवत्ता में सुधार करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। ऐसा करके ही भारत को विनिर्माण हब के रूप में विकसित किया जा सकता है।सकारात्मक प्रयासों के कारण ही 2022-23 में भारत का विनिर्माण निर्यात अपने उच्चतम स्तर पर 447 अरब डालर तक पहुंच गया था। विनिर्माण क्षेत्र की क्षमताओं का सही दोहन किया जाए तो यह संभव है कि इस क्षेत्र का योगदान सेवा क्षेत्र से भी अधिक हो जाए। 2030 तक भारतीय मध्य वर्ग की वैश्विक खपत में हिस्सेदारी 17 प्रतिशत होने की संभावना है। मांग-आपूर्ति संतुलन के लिए विनिर्माण क्षेत्र को एक बड़े धक्के की आवश्यकता है। इसमें सार्वजनिक निवेश की अहम भूमिका होगी। इससे निर्यात में हिस्सेदारी बढ़ेगी, रोजगार के अवसरों का सृजन होगा और विकास दर को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय किसान और ज़मीनी पट्टे की फाँस

उद्यमी जानते हैं कि अनिश्चितता कैसे हर व्यवसाय में बिन बुलाए मेहमान की तरह है। ये एक ऐसा भूत है जो बोर्डरूम के हर कोने में चुपके से आ जाता है। दबे पाँव से । हालांकि भारतीय किसानों के लिए, यह एक भूत से भी बड़ा है। यह आपके सामने है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। अगर आप भारत में किराये या पट्टे पर दिये जाने वाली कृषि भूमि पर एक नज़र डालेंगे, तो आपको पता चलेगा कि उसकी अनिश्चितता और भी डरावनी है।जनगणना के हिसाब से महाराष्ट में केवल 0.01त्न कृषि भूमि पट्टे पर है। जबकि घरेलू सर्वेक्षण इसे कुछ और ही दर्शाता है। हाउसहोल्ड सर्वे के हिसाब से यह 5.90त्न है। इन आंकड़ो के हिसाब से यहाँ 590 गुना का अंतर है! हरियाणा में, यह आंकड़े और भी आश्चर्यजनक है ङ्क आधिकारिक डेटा ये दर्शाता है, कि हरियाणा मे 0त्न कृषि भूमि पट्टे पर है। जबकि घरेलू सर्वेक्षण मे इसे 13.8त्न आंका गया है। हमारी टीम ने इस समस्या को और अधिक गहराई से समझने की कोशिश की और महाराष्ट्र के चार जिलों में 120 पट्टेदारों और जमींदारों का सर्वेक्षण किया। हमनें सर्वेक्षण में पाया कि ज्यादातर पट्टों के एग्रीमेंट अनौपचारिक और मुँह जबानी किए गए थे। साथ ही किसानों को बिना फसल बीमा के एक तरह से लावारिस छोड़ दिया गया था। जमींदार, किसी भी प्रकार की समस्या से बचने के लिए केवल उन्हीं किसानों को जमीन पट्टे पर देते थे, जिन्हें वे अच्छी तरह से जानते थे।ऐसा इसलिए क्योंकि क़ानून पट्टेदारों की तरफ झुका हुआ था और इस वजह से जमींदारों को अक्सर अपनी जमीन खोने का डर रहता है। जिससे वे खुले में ज़मीन पट्टे पर देने में डरते हैं। पर इसका नुकसान पट्टेदार किसानों को भी होता है। वो ऐसे कि जब पट्टे अनौपचारिक होते हैं, तो किरायेदार या पट्टेदार को ना तो बैंक से ऋण मिलता है, और ना ही फसल के नुक्सान की स्थिति में बीमा। और अगर पट्टा कच्चा या अनौपचारिक है, ऐसे में किराएदार किसान उस जमीन में निवेश करने से हिचकिचाते हैं, जिस पर वे खेती करते हैं। मॉडल लैंड लीजिंग बिल 2016 किसानों के लिए आशा की एक किरण के समान है। पट्टेदार किसानों को मुख्यधारा में लाने के लिए, जमींदारों को विश्वास दिलाने के लिए और कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए नीति आयोग ने इस बिल को डिज़ाइन किया था। मगर अफसोस की बात ये है कि किसी भी राज्य ने इस बिल को लागू नहीं किया और ये बिल सिर्फ एक आशा की एक किरण बनकर रह गया।यदि इस बिल को स्वीकार कर लिया जाता, तो यह सुधार की एक नई किरण लाता। यह बिल औपचारिक एग्रीमेंट की सुविधा प्रदान कर सकता है, पट्टेदारों के लिए लोन और बीमा योजनाओं के रास्ते भी खोल सकता है और जमींदारों को अपनी जमीन खोने के डर से भी बचा सकता है।अब समय आ गया है कि इस 'हो सकता है' की स्थिति को 'है' की स्थिति में बदला जाये। अब समय आ गया है कि इस मॉडल लैंड लीजिंग बिल को पूरे भारत के सभी राज्यों में लागू किया जाए। क्योंकि हमारे किसानों को भी निश्चितता चाहिए, और सबसे ज़रूरी फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए!

उपलब्धियों भरा रहा अमेरिका दौरा

पिछले कुछ वर्षों के दौरान अमेरिका के साथ भारत के संबंध निरंतर प्रगाढ़ हुए हैं। इस दौरान वाणिज्य, रक्षा और प्रौद्योगिकी के स्तर पर दोनों देश में व्यापक सहयोग बढ़ा है। अपने पहले कार्यकाल से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की द्विपक्षीय रिश्तों को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। हाल में प्रधानमंत्री मोदी की राजकीय अमेरिकी यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में यह नई ऊंचाई प्रत्यक्ष रूप से नजर आई। इसमें वे कड़ियां स्पष्ट रूप से दिखीं जो दोनों देशों के लोगों को बहुत मजबूती से जोड़ती हैं।प्रधानमंत्री मोदी के लिए राष्ट्रपति बाइडन द्वारा दिए गए राजकीय भोज और अमेरिकी संसद को दूसरी बार संबोधित करने के अवसर ने इस दौरे को यादगार एवं ऐतिहासिक बना दिया। ऐसा मौका केवल अमेरिका के बेहद निकट सहयोगी मित्रों को मिलता है। कुछ साझा वैश्विक चिंताओं और चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर दोनों देशों की संवेदनशीलता ने भारत-अमेरिका रिश्तों को नया आयाम दिया है। दोनों देशों ने वाणिज्य और रक्षा उपकरणों समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया है। अमेरिका भी भारत के साथ रिश्तों को रणनीतिक एवं सकारात्मक निहितार्थों के नजरिये से देखता है। भारतवंशियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी से जुड़ी उम्मीदों को व्यक्त किया। उन्होंने रेखांकित किया कि दोनों देश 21वीं सदी को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत हैं। इसी दिशा में प्रधानमंत्री का यह दौरा कई उपलब्धियों से भरा रहा, जिसमें रक्षा, वाणिज्य और रणनीतिक तकनीकी सहयोग के मुद्दों पर व्यापक सहमति बनी। इसी दौरान दिग्गज अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रोन ने भारत में निवेश और अपनी प्रस्तावित गतिविधियों का एलान किया। यह अमेरिका और भारत के बीच परस्पर नवाचार और आर्थिक गठजोड़ के भविष्य का संकेत करता है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे की उपलब्धियों की चर्चा करें तो इस दौरान रक्षा, तकनीक और निवेश के स्तर पर बहुत सकारात्मक संकेत मिले। सबसे पहले रक्षा की बात करें तो हालिया रुझानों से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत की आधुनिक रक्षा जरूरतों की पूर्ति के लिए रूस पर निर्भरता उचित नहीं। ऐसे में अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारी बिल्कुल सही समय पर आगे बढ़ रही है। इससे भारत की सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी होने के साथ ही दोनों देशों के बीच सामरिक गठजोड़ भी मजबूत होगा।प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान अत्याधुनिक ड्रोन्स की खरीद का एक महत्वपूर्ण समझौता भी हुआ। इससे सेना, नौसेना और वायुसेना की निगरानी एवं मारक क्षमताओं में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी। लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के लिए अमेरिकी दिग्गज जीई और हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड के बीच हुआ समझौता भी बड़े महत्व का है। इससे भारत की सामरिक आपूर्ति श्रृंखला में बड़ा बदलाव आएगा जो रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के लिए मूल रूप से रूस पर निर्भर रही है। इससे आपूर्ति श्रृंखला का विविधीकरण भी होगा।तकनीकी मोर्चे पर उपलब्धियों की बात करें तो भारत और अमेरिका रक्षा, अंतरिक्ष और ऊर्जा जैसे कई क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग, सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसर तलाशने की दिशा में आगे बढ़े हैं। भारत ने अंतरिक्ष अन्वेषण से जुड़े आर्टेमिस अनुबंध को लेकर सहमति जताई और मानव अभियान के लिए भी नासा के साथ साझेदारी की है। अमेरिकी कंपनी भारत में विविधीकृत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए भी तैयार हुई है। खनिज सुरक्षा साझेदारी में भारत को जोड़ने पर भी अमेरिका ने अपना समर्थन जताया है। साथ ही एडवांस कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ और क्वांटम इन्फोर्मेशन साइंस को लेकर भारत और अमेरिका ने संयुक्त रूप से काम करने के लिए एक ढांचा भी स्थापित किया है।पूंजी निवेश इस समय भारत की एक बड़ी आवश्यकता है तो उसकी पूर्ति के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख अमेरिकी उद्यमियों से इस मुद्दे पर आवश्यक मंत्रणा की। प्रधानमंत्री के इस दौरे ने अमेरिकी निवेशकों के बीच भरोसे और नीतियों को लेकर आश्वासन भरा ऐसा परिवेश बनाया, जिसके परिणामस्वरूप कई कंपनियां भारत में निवेश करने और अपने निवेश को बढ़ाने के लिए तत्पर हुईं। मिसाल के तौर पर गूगल ने डिजिटाइजेशन फंड के लिए 10 अरब डालर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इसी तरह एमेजोन ने 26 अरब डालर के निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की बात कही है। आने वाले समय में अमेरिका से भारत में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआइ में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। ऐसे में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री के इस दौरे ने दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को नया क्षितिज प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई।अमेरिका प्रवास को लेकर भारतीयों को पेश आने वाली मुश्किलों का हल भी प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे पर निकाला गया। इसके अंतर्गत अमेरिका में कार्यरत भारतीय पेशेवरों को अपना एच1बी वीजा नवीनीकरण के लिए भारत आना जरूरी नहीं रह जाएगा। यह वास्तव में एक बहुत बड़ी राहत है। इसके अतिरिक्त, वीजा प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाने के लिए अमेरिका बेंगलुरु एवं अहमदाबाद में नए काउंसलेट स्थापित करने की योजना बना रहा है। वहीं, भारत भी इस वर्ष सिएटल के अतिरिक्त दो अन्य अमेरिकी शहरों में काउंसलेट स्थापित करने पर विचार कर रहा है।यह कहना गलत नहीं होगा कि एक ऐसे दौर में जब भारत तेज आर्थिक वृद्धि के पथ पर अग्रसर है तब प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व और उनकी रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय सक्रियता ने वैश्विक स्तर पर भारत के कद को बढ़ाया है।

अचानक क्यों बदले बराक ओबामा के सुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडन को भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाना चाहिए। बराक ओबामा एक डेमोक्रेट लीडर हैं। बाइडन भी हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की विचारधारा वामपंथी है। मोदी जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं, हम जानते हैं कि यह एक राष्ट्रवादी पार्टी है। ऐसे में ओबामा की तरफ से जो बयान आया, उसके पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं।अमेरिका में पिछले जो डेमोक्रेट राष्ट्रपति रहे हैं, उनकी लाइन कहीं न कहीं प्रो-लेफ्ट रही है।विचारधारा की दृष्टि से ओबामा भी राष्ट्रपति के तौर पर पार्टी लाइन को बहुत प्रॉमिनेंटली रखते थे। एक डेमोक्रेट लीडर के रूप में वह हमेशा प्रो-लेफ्ट दिखाई दिए।यह नहीं भूलना चाहिए कि आने वाले दिनों में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। बाइडन ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है, मगर अभी तक डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी ने अपने कैंडिडेट्स फाइनल नहीं किए हैं।ओबामा की तरफ से जब यह बयान आया, तब अमेरिका-भारत के बीच कई अहम समझौते एकदम अंतिम पड़ाव पर थे।भारत सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसका उचित उत्तर दे दिया था, जब एक पत्रकार ने ओबामा की ही बात को घुमा-फिराकर उनके सामने रखा। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि भारत अनेकता में एकता का देश है।माइनॉरिटी राइट्स की बात करें या भारत के एक-एक नागरिक की, किसी की जाति, धर्म या जेंडर क्या है, इस पर ध्यान दिए बगैर सबके मूलभूत अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं। ऐसे में माइनॉरिटी राइट्स का उल्लंघन हो रहा है, माइनॉरिटी के साथ कोई बुरा वर्ताव हो रहा है, इस प्रकार के प्रोपेगेंडा से बचना चाहिए। वहीं भारतीय रक्षा मंत्री और वित्त मंत्री ने कहा कि जब ओबामा स्वयं राष्ट्रपति थे, तो यमन, सीरिया और अन्य तमाम मुस्लिम देशों में उन्होंने आतंकवाद से लड़ाई के नाम पर क्या किया, यह पूरा विश्व जानता है। एबटाबाद में अमेरिका ने बड़ा ऑपरेशन करके अलकायदा चीफ को मार दिया था। ऐसे में यह याद रखना चाहिए कि धर्म विशेष और वैश्विक समस्याओं को आपस में जोड़ना सही नहीं है। यह बात ओबामा के लिए भी समझने की है कि जब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात होगी, तब भारत सरकार वहां किसी का धर्म, पंथ या जाति देखकर एक्शन नहीं लेगी। जम्मू और कश्मीर में भारत सरकार जो कुछ भी कर रही है, देश के एक-एक नागरिक की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कर रही है। यह आतंकवाद के विरुद्ध अभियान का हिस्सा है। ऐसे में हम किसी धर्म विशेष को बीच में नहीं ला सकते।ओबामा के बयान पर अमेरिका से भी कुछ स्ट्रॉन्ग रिएक्शंस आए हैं। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग के पूर्व आयुक्त जॉनी मून ने कहा कि भारत मानव इतिहास में सबसे विविधता वाला देश है। विविधता ही उसकी ताकत है। ओबामा को भारत की आलोचना करने के बजाय उसकी सराहना करने में अपनी ऊर्जा खर्च करनी चाहिए। बाइडन और अमेरिकी प्रशासन भी इस बात को बहुत अच्छी तरह से समझ रहे हैं। इसीलिए बाइडन की तरफ से भी इसी प्रकार का स्टेटमेंट आया कि भारत अनेकता में एकता का देश है। उसकी हमें सराहना करनी चाहिए। मुझे लगता है कि बराक ओबामा को भी जमीनी हकीकत पर ध्यान देना चाहिए बजाय इसके कि दुष्प्रचार से प्रभावित हो जाएं। आज का तकनीक युग ऐसा है कि झूठी बातें भी तेजी से पूरी दुनिया में फैल जाती हैं। ऐसे में यह ज्यादा जरूरी है कि सामने आ रही हर सूचना को आंख मूंदकर सच न मान लिया जाए। उन्हें वास्तविकता देखनी चाहिए। भारत वास्तविक अर्थों में लोकतांत्रिक देश है, पाकिस्तान की तरह नहीं है।

शेयर से टमाटर तक

दुनिया में इन दिनों आर्थिक स्थिति कुछ सुधरी है, जिसका असर विश्व के ज्यादातर शेयर बाजारों पर पड़ने लगा है। बुधवार को भारतीय शेयर बाजारों में भी रिकॉर्ड तेजी देखी गई है। सेंसेक्स जहां 64,000 अंकों तक पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी भी पहली बार 19,000 अंकों के पार चढ़ गया। वास्तव में, अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं भी कुछ संभली हैं, वहीं चीन ने भी अपने यहां अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए प्रोत्साहन का सहारा लिया है, जिसके चलते भारत में भी शेयर कारोबार में तेजी आ गई है। भारत में आंतरिक संकेत भी अच्छे हैं। देश की कुछ दिग्गज कंपनियां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, इसके अलावा एचडीएफसी बैंक से जुड़े बड़े विलय से भी शेयर बाजार में हलचल बढ़ी है। शेयर बाजार की बढ़त को बुनियादी रूप से चौतरफा प्रेरणा मिल रही है। विदेशी संस्थागत निवेशकों का विश्वास भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ा है। अमेरिका से और बेहतर होते रिश्ते व भारत की बढ़ती अहमियत की भी अपनी भूमिका है।भारतीय कंपनियों को कोशिश करनी चाहिए कि आने वाले दिनों में शेयर बाजार की बढ़त जारी रहे। अभी पांच महीने पहले ही हिंडनबर्ग की सनसनीखेज रिपोर्ट के बाद भारतीय शेयर बाजार बुरी तरह प्रभावित हुए थे। तब सेंसेक्स 59,300 अंकों तक गिर गया था। आज अगर मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक 64 हजार के ऊपर है, तो भारतीय कंपनियों को सबक लेना चाहिए। भारतीय शेयर बाजार कहीं से भी जुए का अड्डा न रहें, पूरी चाक-चौबंद निगरानी के साथ कंपनियों को अपना कारोबार करना चाहिए, ताकि विदेशी निवेशकों का भी भारतीय बाजार पर विश्वास दृढ़ रहे। आज भारत को अपने विकास को गति देने के लिए निवेश की बहुत जरूरत है। एक्सचेंज डाटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 2,024.05 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। मतलब, पैसे ने भारत की ओर फिर रुख कर लिया है और यह रुझान बने रहना चाहिए। भारत को अगर विकसित देश बनना है, तो उसकी कम से कम पांच सौ कंपनियों को विश्वसनीयता के साथ बेहतर प्रदर्शन करना पड़ेगा। जिन कंपनियों के शेयर आज बाजार में बढ़त के बावजूद नीचे हैं, उन्हें विचार करना चाहिए। सरकारी या अर्द्ध-सरकारी उद्यमों को अपनी हालत पर गंभीरता से गौर करना चाहिए। ऐसा हो नहीं सकता कि निजी कंपनियां चांदी काटें और सार्वजनिक क्षेत्र की ज्यादातर कंपनियों के शेयर लाल नजर आएं। बहरहाल, बाजार की बात चल रही है, तो टमाटर की चर्चा से कैसे बचा जा सकता है! इस देश में टमाटर की कीमत दस रुपये से बीस रुपये प्रति किलोग्राम होनी चाहिए, लेकिन गरमी, बारिश और बाजार का खेल ऐसा है कि टमाटर की कीमत 80 रुपये के पार चली गई है और कहीं-कहीं तो सौ रुपये में भी एक किलोग्राम टमाटर नहीं मिल रहा है। मौसम ऐसा है कि टमाटर ही नहीं, अन्य सब्जियों के दाम में भी बढ़त का रुख है।

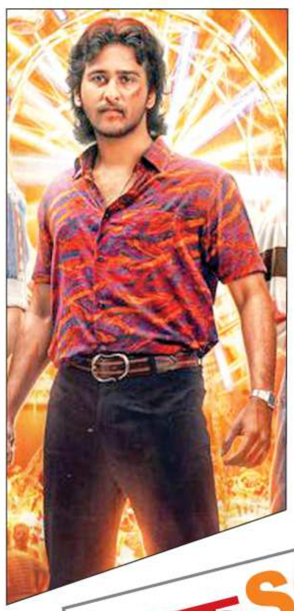

'आरडीएक्स' दस्तक देने तैयार

कोच्चि। मलयालम एक्शन थ्रिलर फिल्म 'आरडीएक्स' का सिनेमाप्रेमी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही फिल्म का पोस्टर जारी हुआ था, जिसमें एंटनी वर्गीस, शेन निगम और नीरज माधव जबर्दस्त अंदाज में नजर आए थे। रिलीज किए गए पोस्टर में तीनों मुख्य अभिनेता हाथों में हथियार पकड़े नजर आए थे, जिसने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा दिया था। वहीं, इस बीच नवोदित नहास हिदायत के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का धमाकेदार टीजर जारी हो गया है। शेन निगम, एंटनी वर्गीस और नीरज माधव स्टारर यह फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का संगीत सैम सीएस द्वारा रचित है। वहीं, आरडीएक्स में महिमा नांबियार, लाल और आइमा सेबेस्टियन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

लाइफ Style

राशा उतरेंगी परदे पर

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी भी अपनी मां की तरह फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोरती हैं। आए दिन राशा की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं। राशा भी जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। अब खबर आ रही है कि राशा जल्द ही अभिषेक कपूर की फिल्म से बॉलीवुड में कदम रख सकती हैं।

मुंबई। पिछले काफी समय से राशा को अभिषेक कपूर के साथ लंच करते स्पॉट किया गया था। यही नहीं, बाद में वह डायरेक्टर के ऑफिस से भी निकलते हुए नजर आई थीं। अब कंफर्म हो चुका है कि राशा डायरेक्टर अभिषेक कपूर की फिल्म से डेब्यू करेंगी। इस फिल्म में राशा के अजय देवगन के भांजे अमन देवगन भी डेब्यू करेंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित होगी और यह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म होगी। यह नौ फरवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभी तक इस फिल्म के टाइटल का खुलासा नहीं हुआ है। फिल्म का निर्माण रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कर रहे हैं। रवीना के फैंस भी उनकी बेटी के डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। राशा के बॉलीवुड के डेब्यू से पहले अभिषेक कपूर ने सारा अली खान को फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड में लॉन्च किया था। सारा आज बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार हैं। अब देखना यह होगा कि राशा जब फिल्मों में आएंगी, तो क्या धमाल मचाएंगी। राशा भी अपने डेब्यू के लिए खूब मेहनत कर रही हैं। आपको बता दें कि पिछले दिनों राशा ने हाल ही में हाई स्कूल से स्नातक किया है। वह मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ रही थीं। उनकी मां और एक्ट्रेस रवीना ने राशा की ग्रेजुएशन सेरेमनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। फैंस भी राशा को जमकर बधाई दे रहे थे।

हॉलीवुड मसाला

ग्रैमी अवार्ड में सजेगी संगीत की महफिल

लॉस एंजेलिस। 66वें ग्रैमी अवॉर्ड्स वर्ष 2024 में फरवरी के पहले रविवार 4 फरवरी को रात 8 बजे से लॉस एंजिल्स में आयोजित किए जाएंगे। संगीत की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड्स में से एक ग्रैमी अवॉर्ड्स का इंतजार म्यूजिक की दुनिया से जुड़ा हर कलाकार करता है। यह दुनियाभर में प्रसिद्ध ऐसा अवॉर्ड फंक्शन है, जिसमें दुनिया के कोने-कोने में फैले म्यूजिशियंस को सम्मानित किया जाता है। जहां इस साल ग्रैमी अवॉर्ड्स में बियॉन्से का जलवा रहा था, वहीं 2024 के लिए इस अवॉर्ड फंक्शन के आयोजन की तारीखों का एलान कर दिया गया है।

'स्क्विड गेम 2' के एक एपिसोड के लिए इतनी बड़ी रकम?

सियोल। बहुचर्चित कोरियन वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' के अगले पार्ट को फ्लोर पर लाने की तैयारी चल रही है, जिसे देखने के लिए फैंस भी एक्साइटेड हैं। इस सीरिज से मशहूर हुए साउथ कोरियन एक्टर ली जंग-जे एक बार फिर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस एक्टर ने दूसरे सीजन के लिए प्रति एपिसोड 1 मिलियन डॉलर (8.2 करोड़ रुपये से ज्यादा) की भारी राशि की मांग की है। हालांकि, ली जंग-जे की एजेंसी ने अफवाहों का खंडन किया। एक सूत्र के हवाले से उन्होंने कहा, 'नेटफ्लिक्स ली जंग-जे की रिक्वेस्ट को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ली जंग-जे ने नेटफ्लिक्स से प्रति एपिसोड 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा की मांग की है, जिसका अर्थ है कि उन्हें शो के लिए 13 मिलियन डॉलर (13 एपिसोड को देखते हुए) से ज्यादा सैलरी मिलेगी।

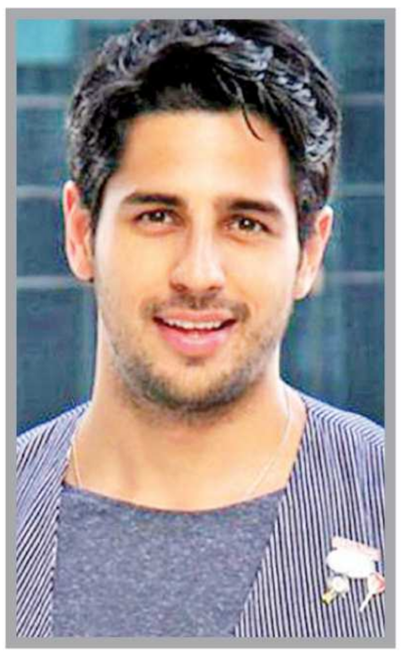

'सत्यप्रेम' की 'कथा' पर दिल हार बैठे सिद्धार्थ मल्होत्रा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी और अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' रिलीज हो चुकी है, जिसे शुरुआती तौर पर दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। कियारा आडवाणी और कार्तिक की अदाकारी को फैंस ने खूब सराहा। वहीं, अब कियारा की फिल्म देख उनके पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी पत्नी और उनकी फिल्म पर अपना प्यार बरसाने से खुद को रोक नहीं पाए। सिद्धार्थ ने कियारा की फिल्म देखी और उनकी खूब तारीफ की।

सिद्धार्थ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कियारा की तस्वीर साझा की, जो उनके फिल्म के एक सीन से ली गई है। तस्वीर साझा करते हुए सिद्धार्थ ने कैप्शन में लिखा, ₹एक उचित सोशल मैसेज के साथ एक लव स्टोरी, जो पूरी कास्ट की बढ़िया परफॉर्मेंस से भरा हुआ है, लेकिन कथा (कियारा आडवाणी) आपके पास मेरा दिल है। बहुत खुश हूं कि तुमने यह किरदार निभाने का फैसला किया।

'द आर्चीज' को ट्रोल करने वालों पर भड़कीं जोया अख्तर

मुंबई। जोया अख्तर इन दिनों अपने निर्देशन में बनी आगामी फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर सुर्खियों में हैं। जहां 'द आर्चीज' पहले खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा और सुहाना खान जैसे स्टार किड्स की डेब्यू फिल्म होने की वजह से चर्चा में थी, वहीं इस समय फिल्म अपने ट्रेलर के कारण सुर्खियों में है। हाल ही में 'द आर्चीज' का ट्रेलर रिलीज हुआ और इसे लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली हैं। एक तरफ इंटरनेट पर लोगों का एक ग्रुप पॉपुलर के कॉमिक को दिए गए देसी ट्विस्ट से प्रभावित थे, दूसरी तरफ कुछ नेटिजन्स ने 'द आर्चीज' को यह कहते हुए ट्रोल किया कि कैरेक्टर्स भारतीय नहीं दिखते। ट्रेलर को मिल रही आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए, निर्देशक जोया अख्तर ने ट्रोल्स की मानसिकता पर सवाल उठाया।जोया अख्तर ने एक इंटरव्यू में कहा, 'आप ऐसा क्यों सोचते हैं? वे सभी भारतीय हैं। यह एक तरह से नस्लवाद है। क्या आप कह रहे हैं कि गोरे भारतीय, भारतीय नहीं होते हैं?

टीवी मसाला

टीआरपी लिस्ट में फिर अनुपमा का राज, इस शो ने किया टॉप 5 में कमबैक

नई दिल्ली। इस बार बार्क इंडिया रेटिंग लिस्ट में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पिछले कई हफ्तों की तरह इस बार भी टीआरपी में स्टार प्लास का शो 'अनुपमा' बाजी मारते हुए पहले स्थान पर रहा है। वहीं, इमली ने भी टॉप 5 में फिर से वापसी कर ली है।

अनुपमा

रंजन शाही का शो 'अनुपमा' दर्शकों को बीच काफी पॉपुलर हो गया है। हर बार की तरह इस हफ्ते भी बाकी के टीवी सीरियल यह भारी पड़ा है। हर बार की तरह इस बार भी टीआरपी लिस्ट में 'अनुपमा' पहले स्थान पर है। शो में दर्शकों को रुपाली गांगुली की अदाकारी काफी पसंद आ रही है। ट्विस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं।

गुम है किसी के प्यार में

स्टार प्लस के पॉपुलर सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' अब 20 साल का लीप आने वाला है। इसी के साथ शो अब नए किरदारों के साथ नया मोड़ लेने वाली है। अपने दिलचस्प और मजेदार प्लॉट के साथ फैंस के बीच हाजिर है। हाल ही में शो के मेकर्स ने शानदार प्रोमो जारी किया था। जिसमें शो के नए स्टार कास्ट से रूबरू गया है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है

स्टार प्लस पर पिछले कई सालों से प्रसारित हो रहा शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' पिछले हफ्ते से टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर बना था, लेकिन इस बार शो तीसरे स्थान पर खिसक गया है। शो की कहानी काफी दिलचस्प होती जा रही है। इस हफ्ते शो 2.2 मिलियन इम्प्रेशंस मिले हैं।

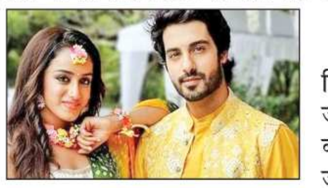

ये है चाहतें

इस हफ्ते के टीआरपी लिस्ट में बड़ा फेरबदल देखा जा रहा है। कई सप्ताह से टीवी का पॉपुलर शो 'ये है चाहतें', जहां टॉप 5 की लिस्ट से बाहर चल रहा था। वहीं, शो ने इस बार जबर्दस्त वापसी की है।

इमली

स्टार प्लस का लोकप्रिय शो 'इमली' पिछले हफ्ते टीआरपी लिस्ट के टॉप 5 शोज से बाहर हो गया था। मगर इस हफ्ते शो ने काफी शानदार तरीके से टॉप 5 में एंट्री की है और अपनी जगह बना ली है।

इरफान की आखिरी फिल्म 'द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स' रिलीज

मुंबई। अभिनेता इरफान खान अब इस दुनिया में नहीं हैं। मगर, अपने अभिनय और फिल्मों के जरिए एक्टर आज भी प्रशंसकों के दिलों में बसे हैं। इरफान के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक्टर की आखिरी फिल्म 'द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स' ने ओटीटी पर दस्तक दे दी है। बता दें कि यह फिल्म इसी साल 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। करीब दो महीने बाद अब फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है।

अनूप सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म 'द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स' को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वे अब ओटीटी पर इसका आनंद ले सकते हैं। इरफान के साथ 'द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स' में गोलशिफतेह फरहानी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। उनके अलावा वहीदा रहमान, शशांक अरोड़ा, कृतिका पांडे और तिलोत्तमा शोम ने भी फिल्म में अहम रोल अदा किए हैं। फिल्म 'द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स' की कहानी राजस्थान के जैसलमेर की पृष्ठभूमि पर है, जहां आदिवासी इलाके में बिच्छू के डंक का इलाज गीतों द्वारा किया जाता है। इरफान खान इस फिल्म में ऊंट व्यापारी आदम का किरदार निभाते दिखे हैं। बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर 2015 में राजस्थान के जैसलमेर में हुई थी।

पहली फिल्म में 11 हजार तो किसी को चार लाख मिले

मुंबई। मायानगरी मुंबई का सफर तय कर मनोरंजन की दुनिया में अपनी जगह बनाने वाले कलाकारों की लिस्ट लंबी है। जहां कुछ सितारे आज भी स्ट्रगल कर रहे हैं, तो वहीं कुछ कम बजट की फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीत रहे हैं। वहीं, कुछ स्टार्स ऐसे भी हैं, जिन्होंने इस चकाचौंध भरी दुनिया में खुद को चमकाया है, और आज के समय में एक फिल्म के बजट जितनी फीस चार्ज कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को आज हर कोई जानता है। 80 की उम्र में भी पर्दे पर खासा एक्टिव रहकर लोगों का दिल जीतने वाले शहंशाह इन दिनों एक फिल्म में काम करने के लिए आठ से दस करोड़ रुपये फीस चार्ज करते हैं। हालांकि, 1969 में उनकी डेब्यू फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' में उन्हें फीस के तौर पर महज पांच हजार रुपये मिले थे।

शाहरुख खान

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की फैन फॉलोइंग देश से लेकर विदेश तक में हैं। किंग खान अपनी फिल्म के एलान मात्र से ही फैंस के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा देते हैं। शाहरुख खान ने वर्ष 1992 की फिल्म 'दीवाना' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। उस वक्त उन्हें फीस के तौर पर चार लाख रुपये मिले थे। हालांकि, अब इंडस्ट्री में 30 से अधिक वर्ष काम कर चुके शाहरुख एक फिल्म के लिए तकरीबन 100 करोड़ रुपये फीस चार्ज कर रहे हैं।

आमिर खान

इंडस्ट्री के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने बतौर लीड फिल्म 'कयामत से कयामत तक' से इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। इस फिल्म में एक्टर के अपोजिट जूही चावला नजर आई थीं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस मूवी के लिए आमिर को महज 11 हजार रुपये फीस मिली थी। वहीं, आज के समय की बात करें तो आमिर खान के जरिए एक फिल्म के लिए 50 करोड़ रुपये फीस चार्ज किए जाने की रिपोर्ट है।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के मिस्टर खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार ने वर्ष 1991 की फिल्म 'सौगंध' से मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म के लिए फीस के तौर पर उन्हें 51 हजार रुपये मिले थे। वहीं, अक्षय का नाम भी उन सितारों की लिस्ट में शुमार है, जो आज की डेट में 100 करोड़ रुपये फीस चार्ज करते हैं। बैक-टू-बैक फ्लॉप फिल्मों के कारण अक्षय के जरिए फीस में कटौती किए जाने की खबर है।

सलमान खान

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान पहली बार वर्ष 1988 की फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' में नजर आए थे। इस मूवी में सलमान ने सपोर्टिंग एक्टर का रोल अदा किया था। मूवी के लिए उन्हें फीस के तौर पर 11 हजार रुपये मिले थे। इतना ही नहीं जानकारी तो यह भी है कि डेब्यू मूवी में सलमान ने अपने ही कपड़े पहने थे। वहीं, आज के समय में दबंग खान को कोई तोड़ नहीं है। इंडस्ट्री में 35 वर्ष पूरे कर चुके सलमान आज की डेट में तकरीबन 100 करोड़ रुपये एक फिल्म के चार्ज करते हैं।

आज जयंती-लेखक-निर्देशक अबरार अल्वी की लिखी फिल्मों का दर्जा ऑल टाइम क्लासिक का

गुरुदत्त के अभिन्न साथी, अपनी फिल्मों से बनाई पहचान

मुंबई। भारतीय सिनेमा में जब भी गुरु दत्त का नाम लिया जाएगा अबरार अल्वी का नाम भी लेना जरुरी हो जाएगा। क्योंकि दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे थे। वो इसलिए क्योंकि अबरार न सिर्फ वो शख्स से जिनसे गुरु दत्त की खास दोस्ती थी बल्कि जिस रात गुरु दत्त ने सुसाइड किया उस रात वह अबरार से मिले भी थे।

1 जुलाई 1927 को जन्में अबरार अल्वी गुरु दत्त के लिए फिल्में लिखते थे। उन्होंने फिल्में भी डायरेक्ट कीं। 'साहब बीवी और गुलाम' पहली फिल्म थी जो उन्होंने डायरेक्ट की। फिल्म के लेकिन फिल्म के साथ एक नया विवाद भी छिड़ गया। लोगों को लगा कि गुरु दत्त ने बिना अपना नाम बताये ये फिल्म डायरेक्ट की है। अबरार इस बात से दुखी रहते थे। अब आते हैं गुरु दत्त और अबरार की दोस्ती पर। दोनों अच्छे दोस्त थे। इतने गहरे कि जब गीता दत्त से गुरु दत्त की लड़ाई चल रही थी ये बात भी अबरार को मालूम थी और उन्होंने दोनों की सुलह कराने की खूब कोशिश की थी। उस समय गुरु दत्त अपनी फिल्म 'बहारें फिर भी आएंगी' को अंतिम रूप दे रहे थे।

इस दौरान अबरार गुरु दत्त के घर पर ही फिल्म पर चर्चा करने के लिए आते थे। 9 अक्टूबर 1964 को जब अबरार अल्वी उनसे मिलने गए तो गुरु दत्त शराब पी रहे थे। यह गुरुदत्त की आखिरी रात थी। अगली सुबह गुरु घर में मृत पाये गए थे।

अबरार अल्वी ने साहिब बीबी और गुलाम , कागज के फूल और प्यासा सहित भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे सम्मानित फिल्में लिखीं , जिनका दुनिया भर में अनुसरण किया जाता है। प्यासा को टाइम ने ऑल-टाइम 100 मूवीज़ में शामिल किया। टाइम मूवी समीक्षक रिचर्ड कॉर्लिस और रिचर्ड स्किकेल ने यह चयन किया था ।

साहब, बीबी और गुलाम विवाद ने किया आहत

अबरार आखिरी बार गुरु दत्त पर तीन-भाग के एक मार्मिक वृत्तचित्र में दिखाई दिए , जो गुरु दत्त टीम के साथ उनके काम और दिनों की याद दिलाता है। गुरु दत्त के साथ अपने जुड़ाव के बाद और वास्तव में साहिब बीबी और गुलाम को निर्देशित करने वाले विवाद के कारण, वह कोई उल्लेखनीय निर्देशन कार्य देने में असमर्थ थे। हालाँकि, अबरार ने कई फिल्मों के लिए पटकथा और संवाद लिखना जारी रखा, इनमें से प्रोफेसर और प्रिंस आदि हिट रहीं। अबरार अल्वी को 10वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (1962), हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रपति का रजत पदक साहिब बीबी और गुलाम, फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार साहिब बीबी और गुलाम (1962) के लिए मिला। अबरार अल्वी की बुधवार 18 नवंबर 2009 को मुंबई में 82 साल की उम्र में मौत हो गई।

रक्षा मंत्रालय के पास नहीं चुनौतीपूर्ण इलाकों में तैनात जवानों को सम्मान सहित छुट्टी पर भेजने के पैसे?

चार्टर्ड फ्लाइट की ओर टकटकी लगाए बड़े दिनों से इंतजार में बैठे एलएसी-एलओसी के हजारों फीट ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात जवान

नई दिल्ली

सशस्त्र सेनाओं में आकार के हिसाब से विशालकाय मानी जाने वाली भारतीय सेना की सबसे जटिल तैनाती वाली जगहों में जम्मू-कश्मीर को शीर्ष पर शुमार किया जाता है। क्योंकि ये वो सरहदी इलाका है जहां चीन और पाकिस्तान दोनों की सीमाएं भारत से सीधी लगती हैं। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार की तरफ से यहां कुल करीब ढाई से तीन लाख तक फौज तैनात की गई है। लेकिन बीते कुछ दिनों से इस चुनौतीपूर्ण इलाके से जो जानकारी सामने आ रही है। उससे सेना के जवानों का मनोबल लगातार गिर रहा है।

सितंबर के बाद नहीं मिलती छुट्टी

सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय द्वारा हर साल उक्त टेंडर का नवीनीकरण किया जाता है। आमतौर पर इसका सही समय संबंधित वर्ष की 1 अप्रैल को माना जाता है। लेकिन इस बार अप्रैल को मिलाकर कुल तीन महीने पहले ही बीत चुके हैं। वहीं एलएसी और एलओसी के सुदूर इलाकों की बात करें तो वहां तैनात जवानों के लिए छुट्टी पर जाने का सही समय मार्च से जुलाई के बीच का ही माना जाता है। क्योंकि इसके बाद इन इलाकों में मौसम संबंधी भारी बदलाव और बड़े पैमाने पर बर्फबारी की वजह से ये सभी इलाके बाकी देश से सीधे तौर पर कट जाते हैं। जिससे जवानों के लिए छुट्टी पर जाने का कोई विकल्प ही नहीं बचता है।

अमरनाथ यात्रा से बढ़ी मुश्किलें

सेना के पास सड़क मार्ग से भी जवानों को छुट्टी पर भेजने का विकल्प था। लेकिन जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा की शनिवार से हो रही शुरुआत से इसमें काफी बाधा आ रही है। क्योंकि यात्रा के दौरान सेना के काफिलों की संख्या और उनकी मूवमेंट को सुरक्षा और अन्य कारणों की वजह से कम कर दिया जाता है। वहीं मौजूदा समय में सेना अपने जवानों की मदद के लिए वायुसेना की कूरियर विमान सेवा की मदद ले रही है। लेकिन उसमें भी वायुसेना द्वारा पहले लेह और श्रीनगर में तैनात अपने जवानों और कर्मियों को ले जाने की प्राथमिकता दी जा रही है। उसके बाद जब विमान में सीटें बच रही हैं तो उसके बाद सेना के जवानों को बैठने का मौका मिल पा रहा है। वहीं रक्षा मंत्रालय की तुलना में गृह मंत्रालय के तहत आने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों को इन इलाकों में आवाजाही में कोई दिक्कत नहीं आ रही है। क्योंकि गृह मंत्रालय द्वारा अपने जवानों के लिए प्रतिदिन दो चार्टर्ड फ्लाइट की व्यवस्था की गई है। जो कि समय से उड़ान भर रही हैं।

छुट्टी पर जाने को नहीं मिलती चार्टर्ड फ्लाइट, कोरोना के बाद से रुकी है प्रक्रिया

दरअसल पूरा मामला यह है कि एलएसी और एलओसी की हजारों फीट की ऊंचाई पर बनी हुई सुदूर पोस्टों पर तैनात सेना के जवानों को छुट्टी पर जाने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा हमेशा से ही नागरिक विमानों यानी चार्टर्ड फ्लाइट (नागरिक विमान सेवाएं) की सुविधा दी जाती रही है। मंत्रालय इसके लिए हर साल बकायदा एक टेंडर जारी करता है। जिसके लिए सेना अपनी जरूरतों के हिसाब से प्रस्ताव भी भेजती है। लेकिन वर्ष 2020 से कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से लेकर अब तक इस प्रक्रिया को फिर से चालू नहीं किया गया है। रक्षा सूत्रों का कहना है कि सेना ने हालांकि वर्ष 2023 के लिए इस बाबत जरूरी प्रस्ताव काफी पहले ही रक्षा मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेज दिया है। लेकिन अभी तक मंत्रालय के वित्त विभाग (एमओडी) द्वारा इसकी अनुमति नहीं दी गई है। जिसकी वजह से सबसे ज्यादा प्रभाव जम्मू-कश्मीर के लेह-लद्दाख वाले इलाके में तैनात सेना की 14वीं कोर और कश्मीर के इलाके में तैनात 15वीं कोर के जवानों पर पड़ रहा है। जो लंबे समय से छुट्टी पर जाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट पकड़ने के इंतजार में आस लगाए बैठे हुए हैं।

खबर संक्षेप

एशियाई विकास बैंक ने नेपाल को दी बड़ी राहत

काठमांडो। एडीबी ने कहा कि नीतिगत सुधारों के कार्यान्वयन का समर्थन करने और हिमालयी राष्ट्र के

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को उसके प्रमुख आर्थिक सुधारों के साथ बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नेपाल सरकार को 50 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दे दी है। एडीबी दक्षिण एशिया विभाग के क्षेत्रीय सहयोग और संचालन समन्वय निदेशक थियाम ही एनजी ने कहा, व्यापार और उद्योग क्षेत्र के विकास से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा। देश को सतत आर्थिक विकास की ओर ले जाने में मदद मिलेगी।

ईयू के प्रवासी नियमों के आगे नहीं झुकेगा पोलैंड

ब्रुसेल्स। प्रधानमंत्री माट्यूज़ मोराविकी ने एक वीडियो बयान में कहा, यूरोप पर हमला हो रहा है।

यूरोप की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। हमारे महाद्वीप के निवासियों की सुरक्षा खतरे में है। पोलैंड यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रवासी नियमों के आगे नहीं झुकेगा। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने गुरुवार को कहा कि देश को प्रवासन पर यूरोपीय संघ के नियमों को स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। उन्होंने ऐसी किसी भी योजना को वीटो करने की धमकी दी जो देशों में शरणार्थियों को लेने के लिए मजबूर कर सकती है।

सऊदी अरबः अमेरिकी दूतावास के सामने हमला

जेद्दा। जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने हमले में दो की मौत हो गई। सऊदी अरब के

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सऊदी अरब के जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई। घटना में एक बंदूकधारी हमलावर भी मार गिराया गया। एक प्रवक्ता ने कहा कि बुधवार को जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की इमारत पर हमला करने वाला बंदूकधारी गोलीबारी में मारा गया। वाणिज्य दूतावास के सुरक्षा गार्डों में से एक नेपाली कर्मचारी की भी गोली लगने से मौत हो गई।

एलओसीः सेना ने पाक रेंजरों को भेंट की मिठाई

पुंछ। ईद-उल-अजहा के मौके पर वीरवार को पुंछ, सांबा, अखनूर, कठुआ और आरएस पुरा में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर सेना, बीएसएफ और पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान हुआ। पुंछ में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर वीरवार को बकरीद पर भारत और पाकिस्तान सैन्य अधिकारियों ने चक्कां दा बाग की राहें मिलन पर एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए ईद की मिठाइयों एवं बधाइयों का आदान-प्रदान किया।

भारत की मेजबानी में 4 जुलाई को वर्चुअल होगा यह सम्मेलन, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

अगले सप्ताह एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे चीन और पाक के राष्ट्राध्यक्ष

नई दिल्ली।

अगले सप्ताह 4 जुलाई को भारत की मेजबानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन का वर्चुअल आयोजन किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। उनके अलावा इस महत्वपूर्ण आयोजन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समूह के अन्य भागीदार सदस्य देशों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों के साथ शामिल होंगे। इस शिखर सम्मेलन का विषय 'एक सुरक्षित एससीओ की ओर' रखा गया है और इसमें भाग लेने के लिए भारत ने सभी सदस्य देशों के प्रमुखों, प्रतिनिधियों और वैश्विक संगठनों को आमंत्रित किया है। यहां बता दें कि भारत के पास इस वर्ष एससीओ की अध्यक्षता की जिम्मेदारी है। जिसके तहत वह इस शिखर सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। पिछले साल 16 सितंबर 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में भारत को संगठन की अध्यक्षता की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जिसके बाद से लेकर अब तक भारत ने 14 मंत्रिस्तरीय बैठकों सहित कुल 134 बैठकों की मेजबानी की है। भारत एससीओ में एक सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने मई के आखिर में भारत द्वारा एससीओ शिखर सम्मेलन के वर्चुअल आयोजन की घोषणा की थी। बताते चलें कि इससे पहले मई महीने में गोवा में एससीओ के विदेश मंत्रियों का सम्मेलन हुआ था। जिसमें पाक और चीन के विदेश मंत्री प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए थे। इससे पहले संगठन के रक्षा मंत्रियों की नई दिल्ली में हुई बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री शामिल नहीं हुए थे। उनकी तरफ से पाक सरकार के किसी प्रतिनिधि ने इसमें वर्चुअली शिरकत की थी।

चीन, पाक ने बयान जारी कर की पुष्टि

उधर शुक्रवार को चीन और पाकिस्तान की तरफ से अपने राष्ट्राध्यक्षों की एससीओ शिखर सम्मेलन में वर्चुअल मौजूदगी का ऐलान किया गया। चीन ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसके बारे में जारी किए गए एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एससीओ के 23वें शिखर सम्मेलन में वर्चुअली शामिल होंगे। इसके लिए संगठन के अध्यक्ष के तौर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आमंत्रित किया है। गौरतलब है कि बीते काफी लंबे समय के बाद यह पहला ऐसा मौका होगा। जब भारत, पाकिस्तान और चीन के राष्ट्राध्यक्ष एक साथ एससीओ जैसे एक वैश्विक मंच पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आपस में जुड़ेंगे। इसी प्रकार से चीन ने भी राष्ट्रपति जिनपिंग की सम्मेलन में वर्चुअल मौजूदगी की पुष्टि की है। उधर इन सबके बीच रूस के राष्ट्रपति की भी एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने की पूरी संभावना नजर आ रही है।

एससीओ का ढांचा

शंघाई सहयोग संगठन एक 8 सदस्यीय बहुपक्षीय संगठन है। जिसकी स्थापना 15 जून 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं द्वारा शंघाई में की गई थी। इसके बाद वर्ष 2005 में भारत, ईरान और पाकिस्तान को संगठन में पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया था। जुलाई 2015 में एससीओ ने भारत और पाकिस्तान को समूह के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में स्वीकार करने का निर्णय लिया। इसके अगले साल 2016 में दोनों ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद में दायित्वों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जिसके बाद उनके समूह के औपचारिक सदस्य बनने की प्रक्रिया की शुरुआत हुई। 9 जून 2017 को अस्ताना में ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में भारत और पाकिस्तान आधिकारिक रूप से एससीओ के पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हो गए थे।

पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ

भारत और रूस के रिश्ते दशकों से अच्छे रहे हैं और दोनों देशों के राष्ट्रप्रमुख भी एक-दूसरे की तारीफ करते रहते हैं। लेकिन इस बार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की इस नीति का भारतीय अर्थव्यवस्था पर वाकई गहरा असर पड़ने वाला है। भारत में अच्छा काम हो रहा है और उससे सीखने में रूस को कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि भारत में हमारे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई साल पहले एक योजना की शुरुआत की थी। जिसका नाम मेक इन इंडिया है। इसका भारत की अर्थव्यवस्था पर असर देखने को मिला है। इससे सीख लेने में हमें कोई हर्ज नहीं है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन का ये बयान एक ऐसे समय में आया है। जब हाल ही में विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा था कि भारत और रूस के रिश्ते बहुत अच्छे रहे हैं और इसके महत्व को कम करना एक गलती होगा।

विदेश मंत्री जयशंकर की चीन को दो टूक

भारत से खराब रिश्तों के लिए चीन स्वयं जिम्मेदार

एजेंसी नई दिल्ली

एस जयशंकर ने दो टूक कहा है कि भारत और चीन के मौजूदा रिश्तों के लिए चीन जिम्मेदार है। जयशंकर ने कहा कि संबंधों में गिरावट खुद चीन

ने पैदा की है। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने पड़ोसी देश चीन को आड़े हाथों लिया है एस जयशंकर ने दो टूक कहा है कि भारत और चीन के मौजूदा रिश्तों के लिए चीन जिम्मेदार है। जयशंकर ने कहा कि संबंधों में गिरावट खुद चीन ने पैदा की है। उन्होंने साफ कहा कि ताली एक हाथ से नहीं, बल्कि दोनों हाथों से बजती है। अगर रिश्ते सुधारने हैं तो दोनों ओर से कोशिशें करना जरूरी है।

बंगाल की राजधानी कोलकाता में 'न्यू इंडिया एंड द वर्ल्ड' कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि अगर चीन को बेहतर संबंध बनाने हैं तो उसे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर साल 1993 और साल 1996 में किए गए समझौतों का हर हाल में पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक रिश्ते कायम रखने हैं तो विश्वास तो करना ही होगा। उन्होंने कहा है कि भारत और चीन के रिश्तों में आई खटास के लिए चीन पूरी तरह से जिम्मेदार है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते चाहे हैं। चीन ने 1993 और 1996 के समझौतों का उल्लंघन किया है। चीन ने भारत की संप्रभुता का सम्मान नहीं किया। अगर चीन के साथ हमारे रिश्ते खराब हैं तो उसके लिए पूरी तरह से चीन जिम्मेदार है। आज भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में दुनिया में उभर रहा है। उन्होंने दो टूक कहा कि देश की संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने रूस और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों को लेकर कहा कि विशेष रिश्तों से बंधे रहना हमारे हित में नहीं है। दोनों देशों के साथ भारत के संबंध मजबूत हैं। जयशंकर ने साफ कहा कि रूस के साथ रिश्ते अमेरिका के साथ मजबूत संबंधों के लिए बोझ या बाधा नहीं बनने चाहिए।

श्यामाप्रसाद के बिना भारत के नक्शे की कल्पना नहीं की जा सकती

जयशंकर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नहीं होते तो आज भारत के मौजूदा नक्शे और नीतियों की कल्पना नहीं की जा सकती। देश आज भारत अमृतकाल में है। नए भारत के निर्माण का सपना देख रहे हैं। साजिशों को नाकाम कर रहे हैं और चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हर क्षेत्र में आत्म निर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। इसकी नीतियां डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ही सुनिश्चित की। जयशंकर ने कहा कि आज पूरी दुनिया में एक वैश्विक ताकत के तौर पर भारत की पहचान है, क्योंकि हमारा वर्तमान नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की नीतियों में निहित है।

फ्रांस में पुलिसवाले द्वारा एक किशोर को मार दिए जाने के बाद शुरू हुई हिंसा

600 गिरफ्तारियां, सैंकड़ों घायल, फिर भी हिंसा जारी

एजेंसी पेरिस

फ्रांस में पुलिसवाले द्वारा एक किशोर को मार दिए जाने के बाद शुरू हुई हिंसा का दौर तीसरे दिन भी जारी रहा। इस हिंसा में करीब 250 पुलिसवाले घायल हो चुके हैं, वहीं 600 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रदर्शनकारियों ने यहां कई स्कूल, दुकानों और बैंकों में आग लगा दी। इस बीच पुलिस की कई शहरों में प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प हुई। वहीं पुलिस ने बीती रात पूरे फ्रांस से करीब 667 गिरफ्तारियां की, जिनमें ज्यादातर 14 से 18 साल की उम्र के युवक थे।

राष्ट्रपति ने बुलाई आपात बैठक

इस हिंसा के मद्देनजर राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों ने एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने कहा है कि सरकार व्यवस्था बहाल करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रही है।

अब राज्य के स्मारक भी निशाने पर

सोशल मीडिया पर शेयर किए रहे वीडियो में पूरे देश को हिंसा की गिरफ्त में देखा जा सकता है। इसके साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को भी बड़ी मात्रा में नुकसान पहुंचाया गया है। आशंका है कि आने वाले दिनों में शहर और ज्यादा हिंसा का शिकार हो सकता है। एक रिपोर्ट बताती है कि इस बार व्यवस्था की ताकत और राज्य के प्रतीकों को निशाना बनाने की आशंका जताई जा रही है।

किम जोंग का अजीब फरमान

उत्तर कोरिया में आई लव यू कहने पर सजा-ए-मौत

उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपने फैसलों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। आये दिन वो अपने देशवासियों

के लिए नए नए फरमान लागू करता रहता है अब किम जोंग उन ने अपने देश के लोगों को दक्षिण कोरिया की भाषा बोलने पर पाबंदी लगाने का एलान किया है। इसके साथ ही, उत्तर कोरिया में जो भी व्यक्ति दक्षिण कोरिया की भाषा बोलते हुए मिलता है, उसे मौत तक की सजा दी जा सकती है। तानाशाह ने ऐसा फरमान जारी किया है। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया में कठपुतली भाषा बोली जाती है। अमूमन उत्तर कोरिया के लोग भी इस भाषा का प्रयोग किया करते हैं। हालांकि अब उन्हें कठपुतली भाषा बोलने का हर्जाना अपनी जान देकर चुकाना होगा।

ट्रेवल कंपनी ने कर्मचारियों के लिए किया ऐलान

चीनःएक से ज्यादा बच्चे पैदा करने पर मिलेंगे 5 लाख 65 हजार रुपए

एजेंसी बीजिंग

चीन में लंबे अर्से बाद एक से अधिक बच्चे पैदा करने पर इनाम राशि देने की घोषणा की गई है। यह ऐलान चौंकाने वाला है। चीन की एक ट्रैवल कंपनी ने एक से अधिक बच्चे पैदा करने पर प्रत्येक के लिए 5 लाख 65 हजार से अधिक राशि उपहार स्वरूप देने का ऐलान किया है। चीन की सरकार से भी कंपनी ने ऐसा ही नियम बनाने का अनुरोध किया है। अब चीन में कई बच्चे पैदा करने पर प्रत्येक के लिए 5 लाख 65 हजार रुपये से अधिक का इनाम दिया जाएगा। यह राशि प्रत्येक बच्चे के जन्म होते ही खाते में आएगी।

पांच किस्तों में मिलेगी राशि

हालांकि इसे लगातार 5 साल तक पांच किश्तों में दिया जाएगा। एक बार में करीब 1.13 लाख रुपये मिलेंगे। यह ऐलान चीन की सबसे बड़ी ट्रैवल एजेंसी ट्रिप डॉट कॉम ने किया है। 'कई' बच्चे पैदा करने के लिए कर्मचारियों को पांच साल तक कंपनी पैतृक नकद सब्सिडी का भुगतान करेगी।

कंपनी ने सरकार को भी दिया सुझाव

ट्रिप.कॉम के कार्यकारी अध्यक्ष जेम्स लियांग ने कहा, मैंने हमेशा सुझाव दिया है कि सरकार भी एक से अधिक बच्चों वाले परिवारों को इस तरह पैसे दे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को एक से अधिक बच्चे पैदा करने की उनकी इच्छा पूरी करने में मदद मिल सके। सभी दंपति एक अनुकूल प्रजनन वातावरण बनाने के लिए अपनी क्षमताओं के भीतर भूमिका निभाएं। यह ऐलान तब हुआ है जब जनसांख्यिकी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि चीन अमीर बनने से पहले बूढ़ा हो जाएगा, क्योंकि 1980 से 2015 तक चली एक-बाल नीति के बाद उसके कार्यबल में कमी आई है।

शनिवार को वायुसेना में अपनी सेवा के सात साल पूरे करेगा तेजस

अगले साल की शुरुआत से वायुसेना को मिलेंगे उन्नत तेजस मार्क 1ए विमान

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना को अगले साल फरवरी से स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस मार्क 1ए की डिलीवरी शुरू हो जाएगी। विमान के इस नए संस्करण में कई तरह के आधुनिक और उन्नत हथियार व उपकरणों जैसे एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्टियर्ड रडार, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट, बियोंड विजुअल रेंज मिसाइल को शामिल किया गया है। जिसकी वजह से इस स्वदेशी लड़ाकू विमान की युद्धक क्षमता में कई गुना इजाफा देखने को मिलेगा। वायुसेना ने शुक्रवार को बताया कि तेजस विमान शनिवार 1 जुलाई को बल में अपनी सेवा के सात साल पूरे करेगा। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में रक्षा मंत्रालय ने कुल 83 तेजस मार्क 1ए विमानों के उत्पादन के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ कुल करीब 48 हजार करोड़ रुपए के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। मिस्र, अर्जेंटीना, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस जैसे देशों ने इसके लिए रुचि जाहिर की है।

2003 में मिला तेजस नाम

वर्ष 2003 में विमान का तेजस के रूप में नामकरण किया गया था। वायुसेना के मुताबिक, यह एक बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। जिसे अपनी श्रेणी के विमानों में बेहतरीन माना जाता है। इसका डिजाइन इस तरह से तैयार किया गया है कि यह वायु रक्षा, समुद्री निगरानी और युद्धक भूमिका का आसानी से निर्वाह कर सकता है। तेजस बिना किसी चिंता या दबाव के विमान संचालन और हवाई गतिविधियों को अंजाम देने में भी पूरी तरह से सक्षम है। इसकी इस क्षमता को बहुपक्षीय एयरबॉर्न रडार, हेलमेट, सेल्फ प्रोटेक्शन सूट और लेजर पॉड से और अधिक मजबूती मिली है। तेजस की पहली स्क्वाड्रन को फ्लाइंग डैगर्स यानी नंबर 45 कहा जाता है। स्क्वाड्रन में वैंपायर से जीनेट्स भी शामिल रहे। इसके बाद सामने आई मिग-21 बाइसन। फ्लाइंग डैगर्स में उड़ान भरने वाले सभी विमानों का उत्पादन भारत में किया गया है। इनमें लाइसेंस के आधार पर डिजाइन और विकास भी शामिल है। मई 2020 से तेजस विमानों की दूसरी स्क्वाड्रन ऑपरेट कर रही है। फिलहाल वायुसेना के पास इसकी दो स्क्वॉड्रन हैं।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिखाई युद्धक क्षमता

तेजस ने कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में अपनी हवाई युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया है। जिसमें मलेशिया का एलआईएमए-2019, 2021 का दुबई एयर शो, 2021 में श्रीलंका की वायुसेना की वर्षगांठ का समारोह, 2022 का सिंगापुर एयर शो और 2017 से 2023 तक एयरो इंडिया शो में की गई भागीदारी शामिल है। विदेशी वायुसेनाओं के साथ भी तेजस कई युद्धाभ्यासों में शामिल हुआ है। जिसमें मार्च महीने में यूएई में हुआ डेजर्ट फ्लैग युद्धाभ्यास मुख्य रूप से शामिल है। यह किसी विदेशी युद्धाभ्यास में तेजस की पहली उपस्थिति के रूप में दर्ज हुआ है।

सार समाचार

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बैठक आयोजित

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को रामदेवरा शक्ति केन्द्र के बूथ संख्या 78 पर बैठक आयोजित हुई। बैठक में शक्ति केन्द्र प्रभारी व संयोजक राजेन्द्र प्रसाद रावल जाणी ने उपस्थित कार्यकर्ताओ के साथ मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की। जाणी ने बूथ की मजबूती के लिए पन्ना प्रमुखों से संपर्क करने की बात कही। इस मौके शक्ति केन्द्र रामदेवरा के प्रभारी प्रेम ओड, शक्ति केन्द्र सायोजक दिलीप सिंह, रामदेवरा भाजपा मण्डल मण्डल अध्यक्ष उम्मेद सिंह, प्रधान भगवत सिंह तंवर, पूर्व विधायक शैतान सिंह राठौड़ आदि उपस्थित थे। 4 जुलाई को मण्डल का सम्मेलन होगा। इसके पश्चात जाणी ने पोकरण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रहे महंत प्रतापपुरी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और संगठन के कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

दिनभर रही उमस, शाम को बरसी बदरा

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

उपखंड मुख्यालय बात पर शुक्रवार को दिनभर तेज उमस के साथ गर्मी का असर रहा। इस कारण आमजन को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को दिन भर आसमान में बादल छाए रहे। शाम को 7 बजे बारिश का दौर प्रारंभ हुआ, जो रुक-रुक कर काफी देर तक जारी रहा। बारिश से सड़कों पर पानी ही पानी हो गया। आमजन को दिनभर की गर्मी से काफी राहत मिली। बाप के अलावा खिदरत, करनी नगर, जेतड़ासर, किसनेरी, देवड़ा की ढाणी, बोहरानाडा व आसपास के क्षेत्र में भी बारिश होने के समाचार मिले हैं।

प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण कांजला व बगरू तहसील के अध्यक्ष सीताराम बलेसरा का लोगों ने गर्मजोशी के साथ किया स्वागत

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा लालसोट, डीडवाना के समीप 22 मील में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष रामनारायण कांजला व बगरू तहसील के अध्यक्ष सीताराम बलेसरा का सुनील, महेश टोरडा, डूंगरपुर सरपंच दीनदयाल,लाला भाई, दिनेश चाय वाले व अन्य गणमान्य लोगों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया व डीडवाना में कैलाश शर्मा अध्यापक बाग वाले के सेवानिवृत्त कार्यक्रम में शामिल रहे । इस दौरान शंभू कुई वाले सूरज बिलवा इत्यादि लोग शामिल रहे ।

दिल्ली के आचार्य सुरेश शर्मा को मिला हिमाचल गौरव ज्योतिष सम्मान - 2023

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा दिल्ली, आवाज-ए- हिमाचल मीडिया ग्रुप आवाज-ए-शाहपुर (पंजी.) व एस्ट्रो हिमालियन ज्योतिष अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन व सम्मान समारोह दिनांक 24-25 जून, 2023 को धौलाधार पर्वत श्रृंखला के बीच शाहपुर जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में सम्पन्न हुआ। समारोह में कांगड़ा घाटी के अतिरिक्त देश के कोने-कोने से आए हुए सुप्रसिद्ध ज्योतिष के विद्वानों ने भाग लेकर अपने- अपने विचारों से उपस्थित जनसमूह का मार्गदर्शन किया। समारोह में दिल्ली के सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं ज्योतिषाचार्य सुरेश शर्मा को भी आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर आचार्य सुरेश शर्मा को हिमाचल ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान आचार्य सुरेश शर्मा को कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध शक्ति पीठ ब्रजेश्वरी धाम परिसर में समारोह के संयोजक पं.अमित कुमार शर्मा ने प्रदान किया।

ब्लॉक स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर आयोजित

गांधी विचारकों ने रखे विचार

चमकता राजस्थान, सवाई माधोपुर, विशाल अग्रवाल

शांति एवं अहिंसा विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ सवाई माधोपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर रविवार को होटल अनन्ता पैलेस आयोजित हुआ।

मुख्य अथिति मुख्यमंत्री सलाहकार एवं सवाई माधोपुर विधायक दानिश अबरार ने सम्बोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने सर्वसमाज को साथ लेकर न सिर्फ देश को आजाद कराकर एक सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य किया बल्कि सामाजिक कुरीतियों, छुआछूत को दूर करते हुए देश में स्वच्छता एवं समरसता की मुहिम भी चलाई। महात्मा गांधी का दर्शन हमें जीवन के हर क्षेत्र में बेहतर बनाता है और उनका बताया हुआ अहिंसा का मार्ग ही जीवन जीने का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है जिसे आज पूरी दुनिया अपना रही है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को बुराई से दूर रहना चाहिए।

ब्लॉक स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर को सम्बोधित करते हुए शांति व अहिंसा प्रकोष्ठ के जिला सयोंजक विनोद जैन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की मंशा महात्मा गांधी सहित सभी स्वतंत्रता सेनानियों, महापुरुषों के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचा कर उनकी दशा और दिशा में अभूतपूर्व परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि मजबूरी का नहीं बल्कि मजबूती का नाम महात्मा गांधी है। हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि हम युवा पीढ़ी को गांधीजी के आदर्शों, पदचिन्हों पर चलने व प्राणियों के प्रति सेवा भाव रखने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य गांधी दर्शन एवम गांधी दर्शन पर आधारित राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। शिविर में जो सहभागी प्रशिक्षण के पश्चात प्रमाण पत्र प्राप्त करेगा उसे ही शांति एवं अंहिसा विभाग के कार्यो में वरीयता दी जाएगी।

वक्ता के रूप में व्याख्यान देते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. सूरज सिंह नेगी ने कहा कि गांधी जी के विचारों व अनुभवों को आत्मसात करना होगा। गांधीजी संपूर्ण दुनिया की मानव समाज के आदर्श पुरुष है। गांधीजी के विचार एवं कृतित्व कल भी प्रसांगिक थे, आज भी प्रसांगिक है एवं भविष्य में भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि गांधी जी के अनुसार भारत गांवों में बसता है एवं गांवों में खादी व हथकरघा जैसे कुटीर उद्योगों का विकास करके ही भारत का विकास सम्भव है।

शिविर के दौरान गांधीवादी विचारकों ने गांधी दर्शन पर आधारित व्याख्यान प्रस्तुत किए। गांधीवादी विचारकों ने गांधी के समूचे जीवन पर प्रकाश डाला और उनके जीवन की विभिन्न घटनाओं को उल्लेखित करते हुए उससे प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने चंपारण सत्याग्रह, अफ्रीका में गांधी को रेल से उतारे जाने की घटना और उस घटना से उनके जीवन में आए परिवर्तन, असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन के हिस्से आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला।इस अवसर पर राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी भी संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों व आमजन को प्रदान की गई।

उपखण्ड अधिकारी सवाई माधोपुर कपिल शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते गांधी जी के विचारों को अपने जीवन में ग्रहण करने की बात कहीं। इस दौरान जिला प्रमुख सुदामा मीना,, प्रधान निरमा मीना, नगरपरिषद सभापति राजबाई बैरवा, गांधी दर्शन समिति के जिला सह संयोजक संतोष स्वामी सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजनों उपस्थित रहे।

भूतेश्वर विकास समिति की बैठक संपन्न

चमकता राजस्थान

बसेड़ी से हजारीलाल बंसीवाल। आज भूतेश्वर मंदिर पर भूतेश्वर विकास समिति बसेड़ी की बैठक अध्यक्ष सुंनहरीलाल शर्मा की अध्यक्षता में सभी सदस्य भामाशाहो व बसेड़ी जगनेर बाड़ी के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे की बैठक भूतेश्वर मंदिर पर हुई जिसमें समिति द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया मुख्य सिड्डीयौ पर स्टील रेलिंग महिलाओं की स्नान घाट की व्यवस्था पुराने जर्जर टोडे छज्जे की मरम्मत का कार्य पर व अन्य कार्यों की समीक्षा की गई आगामी समय में इसी प्रकार विकास कार होता रहे इसके लिए सभी सदस्यों ने विकास कार्य के प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जिनमें मुख्यत: भूतेश्वर मंदिर पर अंदर दीपक अगरबत्ती ना जलाकर बाहर दीपक जलाए जाएं व मुख्य द्वार के सामने जूते चप्पल ना उतारे उनके लिए अलग से काउंटर बनाने की व्यवस्था की जाए व पुरुषों व महिलाओं के लिए मंदिर परिसर से हटकर शौचालय का निर्माण कराया जाए भूतेश्वर मंदिर के मुख्य रास्तों पर वोड लगाकर बाहर से आने वाले यात्रियों को संकेत निशांन से अवगत कराया जाए क्षेत्रीय विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा जी का भूतेश्वर मंदिर पर आगमन हेतु निमंत्रण दिया जाए जिससे के भूतेश्वर मंदिर से जर्जर हालत के रास्ते को अवगत कराया जाए इस प्रकार के विकास कार्यों के काफी प्रस्ताव आए सभी सराहनीय थे इस बैठक में सुरेश चंद्र मित्तल समिति उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष गोविंद सिंह महासचिव सुखराम एडवुकेट शिवम कुमार हेमंत बंसल पिंकी राकेश परमार काशीराम कुशवाह सहित सैकड़ों क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे इस उपरांत समिति ने स्वल्पाहार की आगामी वैठक मेले से पहले होगी जिसमें मेले से संबंधित होने वाली परेशानियों के बारे में विचार विमर्श किए जाएंगे।

रामचरन शरीरिक शिक्षक की सेवानिवृत्ति पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रूपसपुर बाड़ी में पद से विदाई दी

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) धौलपुर जिले के बाड़ी उपखंड से रामचरन शारीरिक शिक्षक का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रूपसपुर बाड़ी से सेवानिवृत्त होने पर उन्होंने उपस्थित स्टाफ से कहा कि आपने और ग्रामीणों ने जो मेरा सम्मान किया है वह अविस्मरणीय हैं। इस अवसर पर स्टाफ के कई सदस्य उपस्थित थे। जिनमें रामदास बघेला प्रधानाचार्य, बदन सिंह व्याख्याता, वासुदेव मीणा, महेंद्र सिंह मीणा, राजेश गर्ग, बृजेश शर्मा, लक्ष्मीकांत शर्मा, फतेह सिंह, अनार देवी मीणा, मोहर सिंह, दयाराम, रामवीर सिंह मीणा, अध्यापक, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। रामचरन शारीरिक शिक्षक का साफा, शाल, व पुष्प माला पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया। कूमर लाल, विशन सिंह, शिवदयाल, रोशन, राकेश, विनोद कुमार, मंच संचालन राजेश गर्ग द्वारा किया गया।

सोमवार को मनाया जाएगा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना लाभार्थी उत्सव

चमकता राजस्थान, बीकानेर। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ देने के लिए सोमवार को लाभार्थी उत्सव मनाया जाएगा। लाभार्थी उत्सव के तहत जिले के 1 लाख 25 हजार 284 पेंशनर्स के खाते में एक-एक हजार रुपए मासिक पेंशन हस्तान्तरित कर लाभांवित किया जाऐगा। जिले के लाभार्थियों के खातों में 12.53 करोड़ रुपए हस्तान्तरित किये जाएंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल डी पंवार ने बताया कि राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिला स्तरीय कार्यक्रम रविन्द्र रंगमच पर आयोजित होगा।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश सतीश चंद्र ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर में विचाराधीन कैदियों की पैरवी के लिए निःशुल्क वकील उपलब्ध कराता है प्राधिकरण- सतीश चंद्र आज दिनांक 30.06.2023 को अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सतीश चंद्र द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों को कारागृह में मिलने वाली सुविधाओं जैसे भोजन, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल चिकित्सीय सुविधाएं व रसोईघर, बैरक इत्यादि की साफ-सफाई का जायजा लिया तथा कारागृह के बंदियों से रूबरू होकर उनके प्रकरणों से संबंधित जानकारी ली। जिला न्यायाधीश चंद्र ने बंदियों को बताया कि यदि किसी विचाराधीन बंदी का उसके प्रकरण में पैरवी हेतु कोई अधिवक्ता नहीं है तो ऐसे बंदी जेल अधीक्षक को अथवा संबंधित न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने पर न्यायालय को अवगत करावें तथा उनके माध्यम से नियमानुसार अधिवक्ता नियुक्ति हेतु विधिक सहायता का प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर को भिजवायें, जिससे ऐसे बंदीगण की ओर से पैरवी हेतु प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध करवाया जा सके। इसी प्रकार ऐसे सजायाफ्ता बंदी जिन्होंने सजा के खिलाफ अपील नहीं की है और वह अपील करना चाहता है तो ऐसे बंदी को विधि अनुसार अपील करने का पूर्ण अधिकार है। और ऐसे बंदी को भी अपील हेतु विधिक सहायता के माध्यम से नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जायेगा। इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सुनीता मीणा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नमृता पारीक, जिला न्यायालय के पी.ए मनोज वर्मा, प्राधिकरण के पी.ए विनीत गोयल, जेल अधीक्षक रामअवतार, कारापाल अर्जुन सिंह सहित कारागृह का स्टॉफ एवं बंदीजन मौजूद रहे ।

सार समाचार

खाद्य लाइसेंस शिविर में मौके पर ही जारी हो रहे लाइसेंस

चमकता राजस्थान, बीकानेर। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत फूड लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ मोहम्मद अबरार पंवार ने बताया कि शिविर में किराना, मिठाई, डेयरी, रेस्टोरेंट, हलवाई, कैटरिंग व्यापारियों, फास्ट फूड,चाट, पकौड़ी, फल, सब्जी का ठेला, स्टॉल लगाने , ऑनलाइन व्यापार करने वाले विक्रेताओं के आवेदन ऑनलाइन प्राप्त कर मौके पर ही लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 12 लाख वार्षिक से कम टर्न ओवर वाले फर्म का फूड रजिस्ट्रेशन जारी करने के लिए आवश्यक दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड की फोटोकॉपी और स्वयं की एक फोटो प्रस्तुत करनी होगी। 12 लाख वार्षिक से ज्यादा टर्न ओवर वाले फर्म को आधार कार्ड की कॉपी, बिजली का बिल,जी एस टी रजिस्ट्रेशन की कॉपी लानी होगी । एफएसएसएआई के नियमानुसार किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री बेचने, निर्माण, स्टोर एवं ट्रांसपोर्ट करने वाले सभी व्यापारियों के लिए फूड लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन लेना अनिवार्य है। बिना फूड लाइसेंस के कारोबार करने पर सजा व जुर्माने का प्रावधान है। डॉ अबरार ने बताया कि जिले में 16 जून से अब तक लाईसेंस तथा रजिस्ट्रेशन के 5 कैंप लगाए जा चुके हैं। इन शिविरों में 57 लाईसेंस तथा 113 रजिस्ट्रेशन जारी किए जा चुके हैं। खाद्य सुरक्षा दल में एफ़एसओ भानुप्रताप सिंह, सुरेन्द्र कुमार, श्रवण वर्मा व राकेश गोदारा शामिल हैं।

श्रीगुरु गणेश धोराधाम भीनासर में सोमवार

को महाप्रसाद एवं जागरण का आयोजन

चमकता राजस्थान, बीकानेर। श्री गुरु गणेश मंदिर सेवा समिति द्वारा 3 जुलाई को श्री गुरु गणेश धोराधाम भीनासर में भगवान श्री गणेश का विशेष श्रृंगार, पूजन, महाआरती, हवन, रंग बिरंगी रोशनी से विशेष सजावट एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। गुरु पूर्णिमा पर मंदिर परिसर में रात्रि को जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसमें शहर के जाने-मानें कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी।

बीकानेर पुलिस की बड़ी सफलता

खाजूवाला में दलित महिला से गैंगरेप और हत्या का मुख्य अभियुक्त दिनेश बिश्नोई सीकर से गिरफ्तार, रोडवेज बस से जा रहा था

चमकता राजस्थान, बीकानेर। खाजूवाला में दलित महिला के साथ गैंगरेप और हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य अभियुक्त दिनेश बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया है। दिनेश को सीकर में एक रोडवेज बस में सफर करते हुए पुलिस ने दबोच लिया। उसे अब बीकानेर पुलिस अपनी कस्टडी में लेने के लिए सीकर रवाना हो गई है। इस मामले में दिनेश बिश्नोई के अलावा खाजूवाला पुलिस के इन दो कांस्टेबल पर भी गंभीर आरोप लगा। इसमें मनोज को बर्खास्त कर दिया गया, जबकि भागीरथ को सस्पेंड किया गया है। इस मामले में दिनेश बिश्नोई के अलावा खाजूवाला पुलिस के इन दो कांस्टेबल पर भी गंभीर आरोप लगा। इसमें मनोज को बर्खास्त कर दिया गया, जबकि भागीरथ को सस्पेंड किया गया है। बीकानेर एसपी तेजस्वनी गौतम ने दैनिक भास्कर को बताया कि दिनेश नोखा में छिपा हुआ था। नोखा के बाद वो नवलगढ़ चला गया। बीकानेर पुलिस लगातार उस पर नजर रखे हुए थी। मुखबीर ने पुलिस को जब ये बताया कि वो नवलगढ़ से रोडवेज की बस में सवार होकर सीकर के लिए निकल गया है तो सीकर पुलिस को सूचना दी गई। सीकर के पास ही पुलिस ने रोडवेज बस को रोककर दिनेश बिश्नोई को दबोच लिया। बीकानेर से पुलिस की एक टीम को सीकर के लिए रवाना किया गया है, जहां से शाम तक उसे बीकानेर लाया जाएगा। दरअसल, पुलिस छानबीन में ये साफ हो गया था कि वो नोखा में छिपा हुआ है। उसका फोन बीकानेर के गंगाशहर में बंद हो गया था। जिसके बाद वो नोखा

जयपुर में हर महीने बदलेगी ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी

चमकता राजस्थान,जयपुर। जयपुर ट्रैफिक पुलिस अपने जवानों की ड्यूटी लगाने में पारदर्शिता लाने के लिए 1 जुलाई से पुलिसकर्मियों की ड्यूटी (ट्रैफिक पुलिस ड्यूटी सॉफ्टवेयर) की मदद से लेगी। जिसमें जयपुर ट्रैफिक में तैनात सभी पुलिसकर्मियों की जानकारी दर्ज है। इसमें कांस्टेबल, हैड कांस्टेबल, एएसआई, एसआई, टीआई के नाम, बैल्ट नम्बर, वर्तमान ड्यूटी पॉइंट, अगले माह ड्यूटी देने वाले पॉइंट की जानकारी भी होगी। इसी क्रम में आज पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव यादगार में जाकर सॉफ्टवेयर को देखेंगे। एडिशनल पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक राहुल प्रकाश ने बताया कि पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने को लेकर बार-बार शिकायतें मिलती रहती हैं। एक पॉइंट पर कुछ पुलिसकर्मी कई समय से जमे हुए हैं। जिसके चलते यहां पर मिस बिहेव और पैसे लेने की बात भी सामने आती है। इस शिकायत पर काम करते हुए ट्रैफिक पुलिस ने इन पुलिसकर्मियों की ड्यूटी पॉइंट हर माह बदलने और ड्यूटी लगाने के पॉइंट को कम्प्यूटराइज्ड करने के लिए यह सॉफ्टवेयर बनाया है। राहुल प्रकाश ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर से ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी को तीन लेयर में रखा गया है। जयपुर को तीन लेयर में बांटा गया है जिसमें आंतरिक-मध्य-बाहरी भाग हैं। पहले माह में ट्रैफिक चलाने में परेशानी ना हो इसके लिए 15 दिन कॉन्स्टेबल और हैड कॉन्स्टेबल की ड्यूटी बदली जाएगी। फिर एएसआई और एसआई की ड्यूटी बदली जाएगी। यह जुलाई माह की पहली तारीख से शुरू होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए किरण प्रिंटर्स, किरण प्रिंटर्स के लिऐ एमबी प्रिंटर्स, सी- 74 सुदर्शनपुरा, जयपुर से मुद्रित एवं 141 ए, कटेवा नगर, न्यू सांगानेर रोड, राधा गोविन्द पथ, श्याम नगर, सोडाला, जिला-जयपुर (राजस्थान)-302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान, मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह खंगारोत के निर्देशन में चलाये जा रहे कोचिंग कोर्सेज

चमकता राजस्थान

श्री राजपूत सभा कार्यकारिणी सदस्य गजराज सिंह कैलाई ने बताया कि प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह खंगारोत के निर्देशन में S.M.S. Institute में RAS Foundation, Teachers Gr. I, II, Reet, PSI के कोचिंग कोर्सेज चलाये जा रहे हैं। इसका मूल उद्देश्य है हमारे समाज के बच्चों को कोचिंग प्रदान कर सरकारी नौकरियों में EWS Reservation के तहत सफलता प्राप्त करनें में सक्षम बनाया जा सके। हमारे बच्चों को फीस में 50 प्रतिशत की विशेष छूट (रियायत) दी जा रही है। मार्गदर्शन देनें हेतु बच्चों को Free Counseling करवाई जा रही। फोनः 9001991766, 9001991593, 9001991596

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा हाल ही में RAS भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति जारी हुई है जिसमे कुल 905 पद है। शिक्षा मे क्रांति के लिये राजपूत सभा मे अधिक से अधिक संख्या मे पहुंचे ।

विशेष सेमिनार व लेक्चर 'लैंगिक समानता': श्रीमती सीमा हिंगोनिया एड. एसपी और प्रोफेसर आर एस खंगारोत के निर्देशन में 1 जुलाई 2023 प्रातः 10 बजे आयोजित किया जा रहा है। निवेदक: सभाध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, महामंत्री बलवीर सिंह हाथोज एवं समस्त कार्यकारिणी समिति श्री राजपूत सभा जयपुर।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा के साक्षात्कार का "पीस ऑफ माइंड" चैनल पर प्रसारण 02 जुलाई रविवार को

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) आलोक मिश्रा के साक्षात्कार का प्रसारण प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू के चैनल "पीस ऑफ माइंड" पर 2 जुलाई रविवार को प्रातः 9:00 बजे होगा। चैनल के 30 मिनट के टॉक शो "एक मुलाकात" कार्यक्रम में डॉ. आलोक मिश्रा के इस साक्षात्कार में नई शिक्षा नीति और मानवीय मूल्य विषय पर बातचीत होगी।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर (डॉ.) आलोक मिश्रा एम.एस. सी., एल.एल.बी., एल.एल.एम., पी.एच.डी.(कानून) भारतीय संविधान कानून के प्रोफेसर है। उनके पास तीन दशकों से अधिक का शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासनिक और अभ्यास का अनुभव है। प्रोफेसर मिश्रा मानवाधिकार संगठन के संस्थापक और अध्यक्ष तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल (लंदन) के सदस्य भी रह चुके हैं।

डॉ. मिश्रा इंडियन सोसायटी ऑफ नेशनल लॉ, इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ कांस्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य भी हैं। प्रोफेसर मिश्रा इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स, लंदन के सदस्य रहे हैं, इनकी रूचि का क्षेत्र संवैधानिक कानून है एवं संवैधानिक कानून के क्षेत्र में सलाहकार है। पर्यावरण के लिए उनके प्रयासों और समर्पण के लिए उन्हें एनवायरों-केयर-इंटरनेशनल अवार्ड 2016 से सम्मानित किया गया है हाल ही में उन्हें भारत में कानूनी शिक्षाविदों के प्रति नेतृत्व, विशेषज्ञता, योगदान व प्रतिबद्धता की मान्यता के लिए अकादमिक नेतृत्व पुरस्कार 2020 से भी सम्मानित किया गया हैं।

ईद की नमाज अदा कर देश में शांति एवं भाईचारे के पैगाम का दिया संदेश

चमकता राजस्थान अराई किशनगढ़/ शंकर लाल शर्मा

किशनगढ़ में मझेला रोड स्थित ईदगाह पर मुस्लिम भाइयों नेईद की नमाज अदा कर देश में अमन चैन व भाईचारे की मांगी दुआएमझेला रोड स्थित ईदगाह में मुस्लिम समाज के लोगों ने की सामूहिक रूप से ईद की नमाज अदा कर एक दूसरे से गले मिलकर ईद की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी इस अवसर परजनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र व प्रदेश के मुस्लिम भाइयों को दीया मुबारकबाद किशनगढ़विधायक सुरेश टाक पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया कांग्रेस के युवा नेता राकेश शर्मा पार्षद सलीम मोहमद, खलील अहमद शोरगर,इमरान टाक, शरीफ मोहम्मद, जुम्मन अली सहित बड़ी संख्या में पहुचे जनप्रतिनिधियो ने गले लग कर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं देखकर लोगों से गले मिलकर आपसी एवं भाईचारे का संदेश दिया!इसी प्रकार से उपखंड मुख्यालय अराई पर भी बड़ी खुशी के साथ सामाजिक सोहद्र की मिसाल पेश करते हुए मुस्लिम भाइयों ने जामा मस्जिद पर प्रातः ईद उल अजहापर्व की नमाज अदा करते हुए देश में सुख शांति आपसी भाईचारा प्रेम एवं खुशहाली एवं संपन्नता की दुआएं मांगी प्रशासन द्वारा नमाजियों को मुबारकबाद दी एवं शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखी

प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा ने भारत-यूएस द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की नींव रखी है: फिक्की*

चमकता राजस्थान

जयपुर, 30 जून। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की हाल की अमेरिका यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, फिक्की के अध्यक्ष, श्री शुभ्रकांत पांडा ने कहा, "हमारे प्रधानमंत्री की संयुक्त राज्य अमेरिका यात्रा रक्षा अधिग्रहण से संबंधित कई महत्वपूर्ण परिणामों के साथ बहुत सफल रही है, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा में वृद्धि, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी तक पहुंच, अर्धचालकों में संभावित निवेश, अंतरिक्ष सहयोग के लिए आर्टेमिस समझौते और लंबित व्यापार विवादों के निपटारा करेगी। यूएस स्मॉल बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और भारत के एमएसएमई मंत्रालय के बीच सहयोग भी भारतीय उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। यह अमेरिका-भारत संबंधों में एक नए युग की शुरुआत है, जहां रणनीतिक मुद्दों पर आपसी विश्वास और विचारों में समानता है। इससे न केवल दोनों देशों को बल्कि पूरे विश्व को लाभ होगा।"

फिक्की के सेक्रेटरी जनरल, श्री शैलेश के पाठक ने कहा, "प्रधानमंत्री की यूएस यात्रा विशेष रूप से व्यापारिक दृष्टिकोण से एक सफल यात्रा है। फिक्की इस यात्रा से प्राप्त कुछ विशिष्ट उपलब्धियों से प्रसन्न है। क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज (आईसीईटी) पर पहल के तहत, हमारे पास पहले से ही रक्षा, अंतरिक्ष और अर्धचालक पर समझौते हैं। अब जब सरकार ने मार्ग प्रशस्त कर दिया है, तो निजी क्षेत्र आगे बढ़ेगा और अमेरिकी व भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी करेगा। प्रोफेशनल्स की आवाजाही, एच1बी वीजा के नवीनीकरण और वीजा कार्यालयों में वृद्धि से तकनीकी उद्योग को मदद मिलेगी। हम डब्ल्यूटीओ विवादों को द्विपक्षीय रूप से निपटाने में कामयाब रहे हैं, जो एक अच्छा संकेत है।"

फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के चेयरमैन, श्री रणधीर विक्रम सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री की सफल अमेरिकी यात्रा विकास की एक नई लहर लाएगी और अगली पीढ़ी की साझेदारी के लिए आधार तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि रक्षा, अर्धचालक और अंतरिक्ष अन्वेषण में प्रमुख रणनीतिक समझौते किए गए हैं, जो हमारे देशों के बीच संबंधों को काफी मजबूत करेंगे।

बीजेपी राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा का जातव समाज के प्रति विवादित बयान

चमकता राजस्थान

भरतपुर नदबई (राजवीर सिंह) में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पधारने पर राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस की गहलोत सरकार एवं चमारो की पार्टी बताते हुए फिर से भरतपुर जिले में दलित समुदाय के जाटव समाज में बीजेपी वोट बैंक के प्रति जहर घोल दिया है। भले ही बीजेपी एससी वोट बैंक को लुभाने के लिए तमाम वादे करती हो लेकिन भरतपुर की पावन धरती पर फिर से जाटव समाज को चमार शब्द संबोधित करके बीजेपी के राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने एससी वोट बैंक पर कुठारघात किया है। ऐसे में बीजेपी पार्टी एवं उसके नेताओं के प्रति जाटव समाज में भारी आक्रोश है। जाटव समाज ने बीजेपी पार्टी को वोट ना देने की अपील की है। जाटव समाज ने सोशल मीडिया के माध्यम से बीजेपी के आलाकमान नेताओं से अनुरोध किया है कि यदि ऐसे जातिवादी मानसिकता रखने वाले नेता को पार्टी से बाहर का रास्ता नही दिखाया तो राजस्थान में बीजेपी पार्टी को दलित समाज कभी सपोर्ट नहीं करेगा। ऐसे में जाटव समाज ने बीजेपी पार्टी से ताल्लुक रखने वाले नेता पदाधिकारियों को तुरंत प्रभाव से बीजेपी पार्टी से इस्तीफा दे देना चाहिए। ऐसे जातिवादी संकीर्ण मानसिकता रखने वाले बीजेपी नेता का विरोध कर बीजेपी पार्टी को कभी अपना मत ना देकर जाटव समाज को दलित हितेसी पार्टी को सपोर्ट कर अपना मत देकर दलित हितेसी पार्टी के साथ भविष्य साधना चाहिए।

मनीषा चाहर भोपाल में नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में राजस्थान टीम की बनी कोच"

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर,राजस्थान बॉक्सिंग संघ की संस्तुति और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस आर्म्ड बटालियन्स एवं राजस्थान पुलिस के मुख्य खेल अधिकारी विशाल बंसल के आदेशानुसार राजस्थान पुलिस की बॉक्सिंग कोच मनीषा चाहर 28 जून से 02 जुलाई तक भोपाल (मध्यप्रदेश) में हो रही छठी यूथ महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 12 सदस्यीय राजस्थान यूथ महिला बॉक्सिंग टीम की चीफ कोच का दायित्व निभा रही हैं । मनीषा पूर्व में भी सीनियर , जूनियर , सब जूनियर वर्गों की नेशनल चैंपियनशिप के साथ-साथ खेलो इण्डिया गेम्स28 एंड नेशनल गेम्स में भी राजस्थान बॉक्सिंग टीम की चीफ कोच रही है , इनके प्रशिक्षु राजस्थान के मुक्केबाजों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं।मनीषा स्वयं ऑल इण्डिया पुलिस गेम्स में गोल्ड मेडल सहित पांच पदक जीत चुकी है जिस पर इन्हे दो विशेष गैलेन्ट्री प्रमोशन मिले हैं।

सचिन पायलट की कई नेताओं से मुलाकात,हलचल हुई तेज

चमकता राजस्थान

दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के विभिन्न नेताओं से मुलाकात के बाद सचिन पायलट शनिवार को जयपुर आ गए हैं। उन्होंने जयपुर में पंजाब के प्रभारी विधायक हरीश चौधरी, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और श्रीमाधोपुर से विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत, यातायात राज्यमंत्री बृजेंद्र ओला सहित विभिन्न नेताओं से लंबी वार्ताएं की।सचिन पायलट ने यह तो स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें कौन सी नई जिम्मेदारी मिलने जा रही है। लेकिन उन्होंने मुलाकात में यह तो स्पष्ट संकेत दिए हैं कि आने वाले समय में केंद्रीय नेतृत्व उनके पक्ष में निर्णय करने जा रहा है। केंद्रीय नेतृत्व सचिन पायलट द्वारा उठाए गए मुद्दों पर भी कार्रवाई निश्चित तौर पर होने की बात सामने आ रही है। अब सीएम गहलोत अपनी ओर से कार्रवाई का विवरण हाईकमान तक भेजते हैं या फिर हाईकमान कार्रवाई के निर्देश जारी करेगा क्या ? इसके जवाब के लिए दिल्ली में होने वाली बैठक तक इंतजार ही करना पड़ेगा। सचिन पायलट की कई नेताओं से मुलाकात से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके समर्थकों में हलचल तेज हो गई है और यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर सचिन पायलट को केंद्रीय नेतृत्व कौन सी जिम्मेदारी देगा और आने वाले समय में राजनीतिक हैसियत किसकी अधिक होगी ! अब चाहे जो कुछ भी हो लेकिन छत्तीसगढ़ के बाद अब राजस्थान के लंबे समय से चल रहे विवाद को समाप्त करने का मानस केंद्र नेतृत्व बना लिया है। मंत्रिमंडल में व्यापक बदलाव का निर्णय भी किया जाएगा। सचिन पायलट 2 जुलाई तक जयपुर में ही रहेंगे और मुलाकातों का दौर जारी रहेगा । जयपुर में पूर्णअपने समर्थकों से भी मिलने का कार्यक्रम भी जारी है।3 जुलाई को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस मुख्यालय पर बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सीएम गहलोत दिल्ली जाएंगे या फिर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल होंगे। यह अभी स्पष्ट नहीं है।

हरीश्याम को सब्सिडी पर स्प्रेयर किया वितरित

चमकता राजस्थान

भुसावर (राजवीर सिंह)। हरीश्याम पुत्र टुन्डाराम धाकड निवासी ग्राम पंचायत इटामडा ने बताया कि मैं लम्बे समय से खेती कर रहे हैं, मैं लघु सीमांत कृषक हूँ। हमारे यहां फसलों में कीडों का नुकसान बहुत है जिससे फसल की उत्पादकता कम है व फसल की गुणवत्ता भी अच्छी नही होती है।

शुक्रवार को ग्राम पंचायत इटामडा मुख्यालय पर आयोजित प्रशासन गांवों के संग व महंगाई राहत कैम्प में कृषि विभाग द्वारा 50 प्रतिशत सब्सिडी पर स्प्रेयर वितरित किये गये। जिनसे हम कीटनाशकों का छिडकाव कर सकेंगे एवं उच्च गुणवत्ता व अधिक उत्पादकता की फसल प्राप्त कर सकेंगे।

इस कार्यवाही व सुगम प्रक्रिया से मैं खुश हूँ। राज्य सरकार व प्रशासन के द्वाराआयोजित कैम्प में किये जा रहे कार्य प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। मैं राज्य सरकार एवं प्रशासन की प्रशंसा करता हूं।

पेंशनर्स आधार नम्बर व पैन नम्बर को पेंशन पोर्टल पर करें दर्ज

चमकता राजस्थान

भरतपुर,(राजवीर सिंह) राज्य सरकार के सभी पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स को पेंशन पोर्टल आईएफपीएमएस पर पेंशन भुगतान आदेशों में जन्मतिथि का अंकन एवं प्रमाणिकरण नहीं हैं, उनको पेन कार्ड एवं आधार नम्बर दर्ज किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

कोषाधिकारी आशापाल मौर्य ने बताया कि ऐसे पेंशनधारी जिनके पति या पत्नि की मृत्यु होने के पश्चात पेंशन प्राप्त कर रहे हैं तथा जिनकी पेंशन भुगतान आदेश में जन्मतिथि का अंकन एवं प्रमाणिकरण नहीं हो रहा हो, वे पेंशन पोर्टल पर आईएफपीएमएस पर पेंशनर्स लॉगइन कर आधार एवं पेन संख्या दर्ज करावें जिससे आयकर काटे जाने की स्थिति में फॉर्म संख्या 16 जारी हो सके तथा ऐसे पेंशनरों को नियमानुसार देय अतिरिक्त पेंशन का नियत तिथि पर भुगतान किया जाना सम्भव हो सके। उन्होंने बताया कि समस्त पेंशनर्स जिनका वित्तीय वर्ष 2022-23 में आयकर काटा गया है ऐसे पेंशनर्स स्वयं अपना फॉर्म संख्या 16 पेंशन पोर्टल से प्राप्त कर सकेंगे।